NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 181 लखनऊ, मंगलवार 13 फरवरी 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

प्रधानमंत्री मादी 14 फरवरी को कतर की यात्रा करेंगे

एजेंसी।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अपनी दो दिवसीय यात्रा के समापन के बाद 14 फरवरी को कतर की राजधानी दोहा की यात्रा करेंगे। मोदी की कतर यात्रा की घोषणा खाड़ी देश द्वारा जेल में बंद आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों को रिहा करने के एक दिन बाद हुई है। रिहा किए गए लोगों में से सात सोमवार सुबह भारत लौट आए। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्तिगत रूप से इस मामले के घटनाक्रम की निगरानी की है। उन्होंने कहा, ''हम भारतीयों को रिहा करने के कतर के निर्णय से प्रसन्न हैं।'' व्यापार व निवेश, ऊर्जा और डिजिटल सहित कई क्षेत्रों में समग्र

द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करने के उद्देश्य से मोदी सोमवार को यूएई की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। क्वात्रा ने प्रेसवार्ता में कहा, ''संयुक्त अरब अमीरात की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद, प्रधानमंत्री 14 फरवरी को दोहा, कतर की यात्रा करेंगे।'' विदेश सचिव ने कहा कि मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार देने के लिए व्यापक बातचीत करेंगे। पूर्व भारतीय नौसैनिकों को पिछले अक्टूबर में दी गई मौत की सजा को अलग–अलग अवधि की जेल की सजा में तब्दील किए जाने के 46 दिन बाद वे भारत वापस लौट आए। आठों को स्पष्ट रूप से जासूसी के आरोपों का सामना करना पड़ा लेकिन न तो कतर के अधिकारियों और न ही नई दिल्ली ने उनके खिलाफ आरोपों को सार्वजनिक किया। विदेश सचिव ने कहा, ''रिहा किए गए आठ भारतीयों में से सात भारत लौट आए हैं। हम इन नागरिकों की रिहाई और घर वापसी को संभव बनाने के लिए कतर के अमीर के फैसले की सराहना करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से इस मामले में सभी घटनाक्रम की लगातार निगरानी की है और कभी भी ऐसी किसी भी पहल से पीछे नहीं हटे, जो भारतीय नागरिकों की घर वापसी सुनिश्चित कर सके।

योगी सरकार जल्द ही पर्यटकों को पांच सौ रुपये में कराएगी काशी दर्शन

संवाददाता।

लखनऊ योगी सरकार इलेक्ट्रिक एसी बस का संचालन करेगी, जो महज पांच सौ रुपये में पांच महत्वपूर्ण स्थानों के दर्शन कराएगी। वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की ओर से शुरू होने वाली इस योजना को काशी पास से भी जोड़ा जायेगा, जिससे यात्रियों को टिकट बुक कराने में कोई समस्या न हो। वाराणसी। काशी की नई तस्वीर दुनिया के पर्यटन के मानचित्र पर आने के बाद पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में योगी सरकार पर्यटकों की बढ़ती संख्या और उनकी सहूलियत के लिए काशी दर्शन सेवा शुरू करने जा रही है। इसके लिए योगी सरकार इलेक्ट्रिक एसी बस का संचालन करेगी, जो महज पांच सौ रुपये में पांच

महत्वपूर्ण स्थानों के दर्शन कराएगी। वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की ओर से शुरू होने वाली इस योजना को काशी पास से भी जोड़ा जायेगा, जिससे यात्रियों को टिकट बुक कराने में कोई समस्या न हो। मालूम हो कि काशी पास का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के अपने पिछले दौरे में किया था। योगी सरकार मूलभूत सुविधाओं को विकसित करते हुए काशी का कायाकल्प कर रही है। धार्मिक स्थलों और घाटों का पुनरुद्धार किया जा रहा है। इसी के तहत मंडलायुक्त की अध्यक्षता में वाराणसी सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की 28वीं बैठक में काशी दर्शन बस सेवा शुरू करने की योजना पर सहमति बनी है, जिसका लोकार्पण जल्दी ही किया जाएगा। इसके अलावा ऐसी बसों से सफर में सहूलियत के लिए।

फारूक अब्दुल्ला को ईडी का समन, पिछली बार पेश नहीं हुए थे-एनसी प्रमुख

एजेंसी

जम्मू–कश्मीर केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पदाधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के बाद 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू हुई। अब्दुल्ला उस समय क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष थे, पर 2022 में केंद्रीय एजेंसी द्वारा आरोप पत्र दायर किया गया था। जम्मू–कश्मीर के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को प्रवर्तन निदेशालय ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलब किया है। लोकसभा में श्रीनगर का प्रतिनिधित्व करने वाले 86 वर्षीय व्यक्ति को पिछले महीने इसी मामले में तलब किया गया था। वह गर्मियों में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले पूछताछ के लिए बुलाए गए नवीनतम विपक्षी नेता हैं। इस मामले में जम्मू–कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन से संबंधित

धन की कथित हेराफेरी शामिल है, जिसे स्पष्ट रूप से एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित विभिन्न लोगों के व्यक्तिगत बैंक खातों में स्थानांतरित किया जा रहा था। 2001 से 2012 के बीच, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने जम्मू–कश्मीर में क्रिकेट के विकास के लिए जेकेसीए को 112 करोड़ रुपये दिए थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पदाधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के बाद 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू हुई। अब्दुल्ला उस समय क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष थे, पर 2022 में केंद्रीय एजेंसी द्वारा आरोप पत्र दायर किया गया था। उनके खिलाफ आरोप पत्र में दावा किया गया है कि क्रिकेट संघ के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, श्री अब्दुल्ला ने खेल के विकास के नाम पर अधिकारियों और अन्य लोगों द्वारा प्राप्त धन का दुरुपयोग किया और इसे व्यक्तिगत लाभ के लिए इस्तेमाल किया। आरोप पत्र में आरोप लगाया गया है कि धनराशि पहले कई निजी बैंक खातों और करीबी लोगों को भेजी गई और बाद में आरोपियों के बीच बांट दी गई।

नए भारत में हर जान कीमती, कतर से लौटे जवानों का अभिनंदन–अनुराग ठाकुर

एजेंसी।

नई दिल्ली अनुराग ठाकुर ने कहा, आज से 45 दिन पहले इन नौसेना के पूर्व अधिकारीयों की फांसी की सजा को उम्र कैद में बदला गया था। और आज इन सभी की सकुशल घर वापसी हुई है। इससे पहले भी ऑपरेशन गंगा चलाकर यूक्रेन से लगभग 27000 भारतीय छात्र–छात्राओं को सकुशल वापस भारत लाया गया था। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज नौसेना के पूर्व अधिकारियों के कतर से सकुशल घर वापसी पर खुशी जाहिर की और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार प्रकट किया। पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, ष्नए भारत में हर भारतीय की जान बेशकीमती है। कतर से भारत लौटे देश के वीर जवानों का हार्दिक अभिनंदन। मोदी है तो, मुमकिन है। नुराग ठाकुर ने कहा, ष्आज से 45 दिन पहले इन नौसेना के पूर्व अधिकारीयों की फांसी की सजा को उम्र कैद में बदला

गया था। और आज इन सभी की सकुशल घर वापसी हुई है। इससे पहले भी ऑपरेशन गंगा चलाकर यूक्रेन से लगभग 27000 भारतीय छात्र–छात्राओं को सकुशल वापस भारत लाया गया था। आज दुनिया के किसी भी कोने में युद्ध हो या संकट आया हो, भारत के लोगों को सकुशल वापस निकाला जाता है। नेपाल में भूकंप हो या अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो हमने सभी भारतीयों को वहां से निकाला है। अफगानिस्तान से हजारों सिख परिवारों को मोदी सरकार ने सकुशल भारत लाया। गुरु ग्रंथ साहब को आदर पूर्वक वापस लाने हेतु विशेष विमान का प्रयोग किया गया। इससे पता चलता है कि पिछले 10 वर्षों में वैश्विक स्तर पर भारत का कितना मान सम्मान बढ़ा है। आज हमारी साख पहले से कहीं अधिक है। अनुराग ठाकुर ने जालंधर में बीएसएफ फ्रंटियर हेडक्वार्टर में आयोजित रोजगार मेले में 161 युवाओं को युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए कहा, ष्हर युवा को सम्मान, हर हाथ काम। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए मोदी सरकार सदैव समर्पित रही है। एक वर्ष के अंदर 10 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरी के अपने वादे को पूरा करते हुए केंद्र की मोदी सरकार की ओर आज देश के 47 स्थानों पर रोजगार मेला के अन्तर्गत 1 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। रोजगार मेला के अन्तर्गत आज पंजाब के जलंधर में मुझे 161 युवाओं को नियुक्ति पत्र देकर उनके जीवन के इस महत्वपूर्ण क्षण का सहभागी बनने का सुअवसर मिला। रोजगार मेला के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी युवाओं को सशक्त बना रहे हैं। उनकी दूरदर्शी नेतृत्व के परिणाम स्वरूप आज 1 लाख से अधिक कुशल युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलने से युवा आकांक्षाओं को बल मिलेगा।

युवाओं को सशक्त बनाना व देश को प्रगति की ओर ले जाना यही मोदी की गारंटी है। भारत की प्रगति को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना युवा शक्ति की जिम्मेदारी है । मुझे पूर्ण विश्वास है की भारत की युवा शक्ति भारत को 2047 से पहले विकसित भारत बनाने में अपना योगदान देगी, नई ऊंचाइयों पर ले जाकर दिखाएगी।

असम में भी लागू होगा यूसीसी सीएम सरमा बोले- मजबूत कानून बनाने पर कर रहे काम

एजेंसी।

उत्तराखंड में यूसीसी कानून आने के बाद अब एक और बीजेपी शासित राज्य में इसे लाए जाने की तैयारी नजर आ रही है। जिस बात की ताकीद खुद सूबे के मुख्यमंत्री ने कर दी है। मीडिया से बात करते हुए असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हम बहुविवाह और यूसीसी के लिए मजबूत कानून बनाने पर काम कर रहे हैं। इससे पहले असम राज्य कैबिनेट ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश करने पर चर्चा की थी। हालांकि मंत्री जयंत मल्लाबारुआ के अनुसार, बैठक में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। यूसीसी शाम को होने वाली राज्य कैबिनेट में चर्चा के

महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक होने की बात पहले से ही कही जा रही थी। कहा गया कि यूसीसी में आदिवासियों के लिए कुछ छूट हो सकती है। असम बजट 2024–25 पर सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा, तो असम एक आश्रित राज्य नहीं हो सकता। यह बजट कहता है कि हम विकास के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं वह योगदान देंगे। असम की वित्त मंत्री अजंता नियोग ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए 2.9 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट में 774.47 करोड़ रुपये के घाटे का अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 2024–25 में असम का सकल घरेलू उत्पाद 6.43 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा, जबकि 2023–24 में यह 5.7 लाख करोड़ रुपये था। इस महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री हिमनत बिस्वा सरमा ने कहा था कि उनकी सरकार यूसीसी को लागू करेगी लेकिन आदिवासी आबादी को इसके दायरे से दूर रखेगी। समान नागरिक संहिता का अर्थ है कि समाज के सभी वर्गों, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, के साथ राष्ट्रीय नागरिक संहिता के अनुसार समान व्यवहार किया जाएगा, जो सभी पर समान रूप से लागू होगा। सरमा ने पहले कहा था कि उनकी सरकार उत्तराखंड सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे यूसीसी ड्राफ्ट बिल की बारीकी से निगरानी कर रही है ताकि यह देखा जा सके कि क्या इसे पूर्वोत्तर राज्यों में लागू किया जा सकता है।

सोनिया गांधी राजस्थान से हो सकती है कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार, 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को होने वाले हैं चुनाव

एजेंसी।

दिल्ली राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा जिन अन्य नेताओं को मैदान में उतारा जा सकता है उनमें अभिषेक मनु सिंघवी और अजय माकन शामिल हैं। उम्मीद है कि कांग्रेस अगले एक से दो दिनों के भीतर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी राजस्थान से राज्यसभा चुनाव लड़ सकती हैं। वर्तमान में वह रायबरेली का प्रतिनिधित्व करने वाली लोकसभा सांसद के रूप में कार्य करती हैं। राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह को बिहार से कांग्रेस उम्मीदवार बनाया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा जिन अन्य नेताओं को मैदान में उतारा जा सकता है उनमें अभिषेक मनु सिंघवी और अजय माकन शामिल हैं। उम्मीद है कि कांग्रेस अगले एक से दो दिनों के भीतर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी। 15 राज्यों की 56 सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव 27 फरवरी को होने वाले हैं। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। गौरतलब है कि सोमवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस इकाई ने पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी से राज्यसभा में राज्य का प्रतिनिधित्व करने की अपील की थी। इसी तरह, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पिछले हफ्ते सोनिया गांधी से राज्य की खम्मम सीट से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने का आग्रह किया था। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सोनिया गांधी से अनुरोध इसलिए किया जा रहा है क्योंकि लोग उन्हें तेलंगाना की मां के रूप में देखते हैं जिन्होंने इसे राज्य का दर्जा दिया।

पूर्वसैनिकों की रिहाई का स्वागत, सरकार ने समय रहते कदम नहीं उठाया –कांग्रेस

एजेंसीं

नयी दिल्ली। कतर ने जेल में बंद भारतीय नौसेना के उन आठ पूर्व कर्मियों को रिहा कर दिया है, जिन्हें कथित रूप से जासूसी के एक मामले में पिछले साल अक्टूबर में मौत की सजा सुनाई गई थी। इनमें से सात भारत लौट आए हैं। कांग्रेस ने कतर से भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों की रिहाई का सोमवार को स्वागत किया और कहा कि अगर सरकार ने समय रहते कदम उठाया होता, तो महीनों तक असमंजस की स्थिति नहीं बनी रहती। कतर ने जेल में बंद भारतीय नौसेना के उन आठ पूर्व कर्मियों को रिहा कर दिया है, जिन्हें कथित रूप से जासूसी के एक मामले में पिछले साल अक्टूबर में मौत की सजा सुनाई गई थी। इनमें से सात भारत लौट आए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सभी देशवासियों के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी खुद को इस खुशी में शामिल करती है कि कतर में अदालत से फांसी की सजा पाने वाले भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारी रिहा होकर घर वापस आ गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम उन्हें और उनके परिजनों को बधाई और शुभकामनाएं देते हैं।'' कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा, ''यह एक बड़ी राहत है और सभी भारतीय नागरिकों के लिए एक हर्ष का विषय है कि कतर में मौत की सजा का सामना कर रहे हमारे आठ देशवासी रिहा हो गए हैं और घर लौट आए हैं। उनकी रिहाई के लिए पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों को बधाई।'' पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, ''हम इसका स्वागत करते हैं। हम राहत महसूस करते हैं कि वे अपने परिवारों के पास लौटे। लेकिन स्थिति यहां तक पहुंची क्यों? किसी को पता नहीं था कि आरोप क्या थे? स्थिति इतनी गंभीर हुई कि उनको मौत की सजा सुना दी गई?'' उन्होंने कहा कि कतर के साथ द्विपक्षीय संबंधों के 50 साल पूरे होने की वर्षगांठ मना रहे हैं, तब ऐसी स्थिति पैदा हुई। सुप्रिया ने कहा कि कांग्रेस ने संसद के भीतर और बाहर इस मुद्दे को

उठाया तथा सरकार को जगाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार समय रहते कदम उठाती, तो यह असमंजस की स्थिति कई महीनों तक नहीं रहती। कांग्रेस नेता ने कहा, ''हर बार आप (सरकार) विफल होंगे, लेकिन जब कोई समाधान निकल आएगा, तो फिर कहेंगे कि आपकी जीत हुई है।'' उन्होंने कहा, ''इस सोती हुई सरकार को जगाने का काम करेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने सुनी लोगों की समस्या

लखनऊ (आरएनएस) उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने–7 कालीदास मार्ग स्थित(कैम्प कार्यालय) पर सोमवार को विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जन सुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया। जनता दर्शन में बुजुर्ग, महिलाएं, पुरूष एवं दिव्यांग सहित सैकड़ों लोगों ने उपमुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्यायें बतायी। बतायी गयी समस्याओं में मुख्य रूप से विद्युत, मार्ग चौड़ीकरण, सड़क निर्माण, आवास दिलाने, अवैध कब्जा, कानून व्यवस्था, रास्ता खुलवाने, विकास कार्य, मारपीट, राजस्व, अतिक्रमण, जमीनी विवाद, चिकित्सा सहायता आदि थीं। जनता दर्शन में आये तमाम लोगों से उनकी समस्याएं सुनीं एवं प्रार्थना पत्र भी लिये, साथ ही कई लोगों की समस्याओं के निस्तारण के संबंध में उपमुख्यमंत्री ने शासन के कई उच्चाधिकारियों, जिलाधिकारियो व पुलिस अधीक्षको सहित कई अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता भी की। कई लोगों की समस्याओं का जनता दर्शन के दौरान ही निस्तारण भी कराया गया।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाने वाले केजरीवाल अब पहुँचे रामलला के दरबार,

अयोध्या में 22 जनवरी को हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह में निमंत्रण दिये जाने के बावजूद नहीं जाने वाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद थे। अयोध्या में दोनों नेताओं ने नवनिर्मित श्रीराम मंदिर में भगवान श्री रामलला के दर्शन किए। केजरीवाल व मान के साथ उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। केजरीवाल व मान दोपहर करीब दो बजे अयोध्या हवाई अड्डे पहुंचे। दोनों नेताओं ने हवाई अड्डे पर एकत्र मीडियाकर्मियों से कोई बात नहीं की और राम जन्मभूमि की ओर चले गए। दोनों मुख्यमंत्रियों ने राम मंदिर में दर्शन किए। अरविंद केजरीवाल ने अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल और भगवंत मान ने अपनी पत्नी गुरप्रीत कौर और अपने परिवार के कुछ अन्य सदस्यों के साथ राम जन्मभूमि में श्री रामलला के दर्शन किए। दोनों ने राम मंदिर में करीब सवा घंटा बिताया। दर्शन के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा, श्माता–पिता और अपनी धर्मपत्नी के साथ आज अयोध्या जी पहुंचकर श्रीराम मंदिर में रामलला जी के दिव्य दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।श केजरीवाल ने कहा, श्प्रभु श्री रामचंद्र जी सबका मंगल करें। जय श्री राम। राम मंदिर में पूजा करने के बाद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, ष्रामलला के दर्शन करने के बाद मुझे एक असीम शांति का अनुभव हुआ... हर दिन लाखों भक्त यहां दर्शन करने आते हैं। मैंने सभी के कल्याण के लिए प्रार्थना की।ष वहीं पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा, ष्आज रामलला के दर्शन हुए और यही प्रार्थना की कि देश की तरक्की हो, सुख–शांति रहे और सब में आपस में भाईचारा बना रहे। हम आपको याद दिला दें कि अयोध्या में गत 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नवनिर्मित राम मंदिर में भगवान श्री राम के बालक रूप श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गयी थी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 13 फरवरी 2024
sheelshukla100@gmail.com

कलर्स के 'कयामत से कयामत तक' के करम राजपाल और तृप्ति मिश्रा द्वारा जलाई गई प्यार की मशाल से लखनऊ जगमगा उठा

लखनऊ, (आरएनएस) प्यार के महीने में रोमांस फैलाते हुए, कलर्स के 'कयामत से कयामत तक' के कलाकार करम राजपाल और तृप्ति मिश्रा लखनऊ पहुंचे। हाल ही में लॉन्च किया गया यह शो उन तीन अलग–अलग प्रेम कहानियों में से एक है, जो चौनल के प्राइम–टाइम स्लॉट पर रात 9रू30 बजे से 11रू00 बजे तक एक के बाद एक प्रसारित होती हैं, जिसने इसे एक भव्य रोमांटिंग महोत्सव बना दिया है। प्यार के विभिन्न रंगों का जश्न मनाते हुए, कलर्स ने अपने अभियान 'प्यार की मशाल' के साथ रोमांस की लौ जलाने का प्रयास किया है, जो लोगों को प्यार से इकट्ठा और एकजुट करते हुए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात के कई शहरों को सफलतापूर्वक रोशन कर रहा है। जबकि दुनिया प्यार के महीने में डूबी है, करम और तृप्ति ने एक अनोखे कैंटर में रोमांस की लौ – 'प्यार की मशाल' जलाई जो तीन राज्यों के अपने सफर के दौरान लखनऊ में रुकी। कलाकारों और स्थानीय लोगों को एक जीवंत नुक्कड़ नाटक देखने को मिला, जो इस रोमांटिक ड्रामा से प्रेरित ऊर्जा और रचनात्मकता से भरपूर स्ट्रीट प्ले था।दर्शकों का प्यार बटोरने वाला, 'कयामत से कयामत तक' एक शाश्वत प्रेम कहानी है जो राज (करम) और पूर्णिमा (तृप्ति) के जीवन को दर्शाता है, जिनके प्यार को उम्र, समाज और यहां तक कि मौत की बाधाओं से भी चुनौती मिलती है। क्या उनका प्यार मृत्यु, की अटलता से बच पाएगा?'कयामत से कयामत तक' में राज की भूमिका निभा रहे करम एस राजपाल कहते हैं, "कयामत से कयामत तक को पसंद करने वाले सभी दर्शकों को बहुत–बहुत धन्यवाद। इतने सारे प्यार के साथ, मैं लखनऊ में प्यार की मशाल को रोशन करने और शहर के लोगों के साथ बातचीत करने को लेकर रोमांचित हूं। प्यार का जश्न मनाने के लिए इतनी बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा होते देखकर बहुत ही अच्छा लगता है। कलर्स ने अपने 9रू30 बजे से 11रू00 बजे के टाइम स्लॉट में रोमांस का महोत्सव आयोजित कर दिया है और इन तीन अलग–अलग प्रेम कहानियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करना अद्भुत है। सबसे बढ़कर, मैं हमारे शो और पुनर्जन्म के रहस्य के संबंध में लोगों के विचार जानने को लेकर उत्साहित हूं। मैं चाहता हूं कि पूरे भारत में सभी दर्शक हमारे द्वारा जलाई गई प्यार की लौ की गर्माहट फैलाएं।"'कयामत से कयामत तक' में पूर्णिमा का किरदार निभा रहीं तृप्ति मिश्रा कहती हैं, "कलर्स में रात 9रू30 बजे से 11रू00 बजे तक के प्राइम टाइम स्लॉट में प्रसारित होने वाले तीनों शो में प्यार एक समान पहलू है, जिनसे दर्शकों को रोमांस की ट्रिपल डोज मिलती है। प्यार की बात करें तो, मैं दर्शकों को कयामत से कयामत तक को इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद देती हूं। यह शो पुराने दौर का रोमांस पेश करता है और यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि शो दर्शकों को कितना मंत्रमुग्ध कर रहा है।"

भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में किसानों को सिर्फ छलने और धोखा देने का ही काम किया –अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस) पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि किसान आंदोलित है। भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में किसानों को सिर्फ छलने और धोखा देने का ही काम किया है। उनके साथ किए गए वायदों को पूरा करने की तो भाजपा सरकार की इच्छा ही नहीं है। भाजपा जोर जबरदस्ती से उनकी आवाज भी कुचलने का इरादा कर रही है। 13 फरवरी को केन्द्र की अंधी–बहरी सरकार के कानों तक अपनी मांगे पहुंचाने के लिए किसान दिल्ली जाना चाहते हैं, परन्तु भाजपा सरकार उनको सुनना नहीं चाहती है। सरकार का आचरण लोकतंत्र विरोधी है।किसान अपनी परेशानियों की चर्चा न कर सकें इसके लिए दिल्ली की सीमा पर अवरोध खड़े किए जा रहे हैं। बार्डर सील कर सीमेंट के बैरिकेड लगा दिए गए हैं। किसानों के रास्ते में कीलें ठोक दी गई हैं। हरियाणा के सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई है। किसानों को अपनी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जाने से रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक और संविधान विरोधी है। स्वतंत्र भारत में कहीं भी कोई भी नागरिक जा सकता है।भाजपा सरकार जनता के इस मूल अधिकार को रोकने वाली कौन है? देश का किसान भाजपा सरकार में शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी नहीं कर सकता है, देश में क्या तानाशाही है? भाजपा ने किसानों से अपने संकल्प पत्र चुनाव घोषणा पत्र में वायदा किया था कि वह किसानों के कर्ज माफ करेगी। किसानों की आय दोगुनी करेगी। एमएसपी पर फसल खरीदेगी।भाजपा सरकार ने किसानों के साथ विश्वासघात करते हुए किसानों की फसल की न तो एमएसपी पर खरीद की और नहीं उनकी आय दोगुनी करने की दिशा में कोई कदम उठाए। भाजपा सरकार ने किसानों की खाद महंगी कर दी। केवल महंगी ही नहीं की खाद की एक बोरी जो पहले 50 किलो की थी, उस बोरी से 5–5 किलो खाद कम करके अब 40 किलो की बोरी कर दी है। भाजपा का चरित्र भी कम विरोधाभासी नहीं है। एक ओर केन्द्र सरकार ने किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह जी को भारतरत्न दिया। वहीं दूसरी तरफ कृषकों पर बल प्रयोग कर उन्हें उत्पीड़ित कर रही है। किसानों के नाम पर भाजपा की छल प्रपंच की राजनीति दोमुंही नीति अस्वीकार्य है।समाजवादी पार्टी किसानों की हर मांग का समर्थन करती है। किसान देश का अन्नदाता है। उसका अपमान देश की जनता का अपमान है। संविधान का अपमान है। किसानों को दिल्ली पहुंचने से रोकना भाजपा सरकार का लोकतंत्र विरोधी कदम है। भाजपा सरकार का कृत्य अमानवीय और संवेदनहीन है।

अब कार्यक्रमों की अनुमति फश्र्मर्म हुए ऑनलाइन

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के इस पहल से लोगों को कार्यालयों का चक्कर काटने से मिलेगी फुर्सत

लखनऊ (आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट ने जनता को तोहफा देते हुए एक वेबसाइट लॉन्च की है। इस वेबसाइट के माध्यम से अब किसी भी व्यक्ति को धरना, प्रदर्शन, मैराथन दौड़, शूटिंग, धार्मिक और यात्रा की पुलिस से अनुमति लेने के लिए पुलिस विभाग के दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सभी फॉर्म लखनऊ पुलिस द्वारा बनाई गई वेबसाइट लखनऊ पुलिस डॉट यूपी डॉट गर्वमेंट पर जाकर आवेदन करने होंगे।संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था उपेंद्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि वर्तमान में आवेदकों को आवेदन पत्र एवं शपथ पत्र भरकर संबंधित आधिकारी के कार्यालयों में जमा करना होता है। जहां से आवेदन पत्र संबंधित थानों को भेजा जाता है। थाने द्वारा जांच कर संस्तुति करने अथवा न करने की दी जाती है। इस पूरी प्रक्रिया में कई बार विलम्ब होता है एवं आवेदक को भी परेशानी होती है एवं उनको अपने आवेदन की वर्तमान स्थिति भी ज्ञात नहीं हो पाती है। इन सभी समस्याओं को देखते हुए पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर लखनऊ पलिस द्वारा आवेदन के लिए ऑनलाइन व्यवस्था तैयार की गयी है। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस की एक अपनी बेबसाइट जिसका पेज लखनऊ पुलिस डॉट यूपी डॉट गर्वमेंट डॉट इन पूर्व से ही बना है। इस पेज को खोले जाने पर नागरिक सेवाएं पेज पर प्रदर्शित होती हैं एवं नागरिक सेवाओं पर क्लिक किये जाने पर विभिन्न तरह की सेवाएं जो वर्तमान में लखनऊ पुलिस दे रही है प्रदर्शित होती हैं। जिसमें वर्तमान में मुख्य रूप से किरायेदार सत्यापन, चरित्र सत्यापन का सबसे अधिकतम प्रयोग किया जा रहा है। उसी नागरिक सेवाएं शीर्षक के अन्तर्गत अनुमति संबंधी एक शीर्षक जोड़ा गया है। जिस पर क्लिक कर आवेदक की प्रक्रियाएं पूरी कर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के पश्चात आवेदन पत्र की स्थिति यदि उसे ज्ञात करनी हो तब भी साइट पर जाकर अपना विवरण जमा कर अपने आवेदन की वर्तमान स्थिति भी देख सकेंगे। यह स्वीकृत हो जाने पर ऑनलाइन स्वीकृति पत्र भी डाउनलोड कर प्रयोग किया जा सकेगा। इसका रिकॉर्ड लखनऊ प्लिस की साइट पर उपलब्ध होगा ऐसे में किसी फर्जी अनुमति पत्र का मिलान लखनऊ पुलिस की साइट से लखनऊ पुलिस द्वारा किया जा सकता है। यह व्यवस्था ट्रायल के तौर पर तत्काल प्रभाव से सोमवार से लाग की जा रही है एवं 28 फरवरी तक सभी प्रकार के आवेदन ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों स्वरूपों में लिये जायेंगे। आवेदकों को यदि आवेदन करने में कोई परेशानी आती है तो वह अपने सुझाव व समस्या इस संबंध में हेल्पलाइन नंबर– 7309979797, 9454405396, 8887979187 पर वार्ता कर आपनी समस्या का निराकरण करा सकते हैं, साथ ही सुझाव भी दे सकते हैं। उन सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार कर ऑनलाइन अनुमति में तदानुसार संशोधन किया जायेगा और सभी प्रकार से व्यवस्था पूर्ण हो जाने पर भविष्य में समस्त आवेदन ऑनलाइन ही स्वीकार किये जायेंगे।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले तीन शातिर ठग गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस)।सूबे की राजधानी लखनऊ की गोमतीनगर पुलिस ने तीन शातिर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ दौरान पता चला कि ये भोले भाले लोगों का एटीएम कार्ड की अदला बदली कर उनकी गाढ़ी कमाई को लेकर बड़ी ही आसानी से रफूचक्कर हो जाते थे ।डीसीपी पूर्वी प्रबल प्रताप सिंह ने बताया एटीएम् कार्ड की बदली करके मासूम लोगो के साथ ठगी करने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे रहे थे। जिसके चलते एडीसीपी पूर्वी सय्यद अली अब्बास के निर्देशन में एसीपी गोमतीनगर अमित कुमावत के नेतृत्व में इंस्पेक्टर गोमती नगर दीपक कुमार पाण्डेय की टीम ने एटीएम बदलकर फ्रॉड कर लोगों की चपत लगाने वाले तीन शातिर फ्राडियों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों के पास से गोमतीनगर पुलिस ने 69 फर्जी एटीएम कार्ड, एक लाख 2 हजार 600 रुपए, एक सफेद रंग की हुंडई कार बरामद कि है। गिरफ्तार आलोक कुमार कोरी उर्फ भोले के विरुद्ध जनपद अमेठी, प्रतापगढ़, और लखनऊ में दर्ज हैं।पुलिस की गिरफ्त में आये आरोपियों के खिलाफ लखनऊ समेत आस पास के जिलों में पहले से ही एक दर्जन से अधिक गम्भीर धाराओं में मुकदमे पंजीकृत है , तीनो आरोपी कुछ महीनों पहले ही जेल से छूटे थे। जिसके बाद से यह लोग इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने में जुट गए थे , जिन्हें इस बार गोमतीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

हर महिला की लड़ाई, हमारी लड़ाई है– अल्का लांबा

लखनऊ, (आरएनएस) भारत जोड़ो न्याय यात्रा के पंच न्याय में एक न्याय है महिला न्याय, कांग्रेस प्रतिबद्ध है हर पीड़ित महिला को न्याय दिलाने के लिए, कांग्रेस संघर्षरत है हर महिला को न्याय का हक मिलने तक। उक्त बातें अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष अल्का लांबा ने आज यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहीं।श्रीमती लांबा ने कहा कि भाजपा जिस तरह से अपने दुष्कर्मी नेताओं को बचा रही है, उससे उसका महिला विरोधी चेहरा उजागर होता है। उन्होंने आज यहां भाजपा के दुष्कर्मी नेताओं का एक पोस्टर भी जारी किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत का नाम रौशन करने वाली बेटियों का शोषण करने वाले बृजभूषण शरण सिंह, को सरकार का पूर्ण संरक्षण प्राप्त है। उसी पोस्टर में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर, भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली, पूर्व भाजपा विधायक रामदुलार गौर, भाजपा नेता पदम राजन, कन्हैयालाल मिश्रा, पूर्व सांसद चिन्मयानंद, पूर्व मंत्री संदीप सिंह सैनी जैसे भाजपा से जुड़े और महिलाओं के प्रति अपराध में संलिप्त नेताओं की करतूत उनकी तस्वीरें समेत शामिल हैं।श्रीमती लांबा ने कहा कि पूरे देश में सबसे ज्यादा महिलाओं के प्रति अपराध उ0प्र0 होते हैं। महिला कांग्रेस प्रतिबद्ध है हर पीड़िता की मदद के लिए, उन्हें न्याय दिलाने के लिए। उन्होंने नारी न्याय योद्धा बनने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर (9891802024) भी जारी किया।श्रीमती लांबा ने कहा कि ''डोनेट फॉर न्याय'' अभियान के तहत महिला कांग्रेस पूरे सम्पूर्ण से लगी है और ''एक दान देश की बेटियों के नाम'' के साथ इस अभियान को मजबूती प्रदान कर रही है।अल्का लांबा ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में हर जिला मुख्यालय पर निकाली जा रही यात्रा में महिला कांग्रेस भी सहभागी बनेगी और 50 किलोमीटर की यात्रा तय करेगी। उन्होंने कहा कि 10 जनवरी को राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष बनने के बाद एक महीने में वह 16 राज्यों का दौरा कर चुकी हैं। आज सुबह वह अपने दो दिवसीय दौर पर लखनऊ पहुंची। अल्का लांबा ने कहा कि महिला कांग्रेस को मजबूत करने के लिए और न्याय यात्रा के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के लिए हर जिले पर नारी न्याय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। इस अनुक्रम में पहला सम्मेलन प्रदेश के जनपद बाराबंकी में कल दिनांक 13 फरवरी 2024 को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती अल्का लांबा जी की उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा।प्रेसवार्ता में महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अल्का लांबा जी के साथ

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव शामीना शफीक, राष्ट्रीय सचिव प्रभारी मध्य जोन विद्या नेगी, आगरा जोन प्रभारी संगीता गर्ग, उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी मध्य जोन की अध्यक्ष ममता चौधरी, पूर्वी की अध्यक्ष शहला अहरारी, बुन्देलखण्ड जोन की अध्यक्ष करिश्मा ठाकुर, आगरा जोन की अध्यक्ष ममता राजपूत जी मौजूद रहीं।

माल पुलिस के हत्थे चढ़ा हत्या का फरार चौथा आरोपी

मलिहाबाद, लखनऊ, (आरएनएस)। माल पुलिस ने एक युवक की हत्या में शामिल चौथे आरोपी का पकड़ जेल भेजा है। जबकि हत्या में शामिल महिला अभी भी फरार चल रही है। इससे पूर्व तीन आरोपियों को पुलिस जेल भेज चुकी है। माल थाना क्षेत्र के ग्राम गांगन निवासी हिमांशू (27) 5 जनवरी को घरेलू सामान लेने के माल कस्बा गया था। जिसका दूसरे दिन शनिवार को बक्शी तालाब क्षेत्र में बंझी घाट गोमती नदी में शव पड़ा मिला था। जिसके बाद मृतक की पत्नी खुशबू ने 7 जनवरी को मृतक हिमांशू की पत्नी खुशबू ने रामपुर निवासी वीरपाल, अंजनी, बलराम, ग्राम मसीढ़ा निवासी दीपक कुमार यादव उर्फ शेरा व मृतक के चचेरे भाई की पत्नी रामकुमारी पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। मृतक की मौत की पुष्टि गला दबाने से पीएम रिपोर्ट में हुयी थी। जिसके बाद पुलिस ने 9 जनवरी को नामजद हत्यारे वीरपाल, दीपक कुमार यादव उर्फ शेरा व अंजनी को गिरफ्तार कर जेल में भेज दिया था। दो अन्य फरार आरोपियों बलराम व रामकुमारी की तलाश जारी थी। घटना को अंजाम देने वाले बलराम को माल पुलिस ने रविवार को नहर पुलिया ग्राम नबीपनाह के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। साथ ही इसके पास स एक डाला बरामद किया है।

एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड एनवीवीएन और नगर विकास विभाग के मध्य समझौता

लखनऊ (आरएनएस) प्रदेश के नगरीय निकायों के कचरे के निस्तारण में सहयोग प्रदान करने के लिए एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) और नगर विकास विभाग के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित हुआ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की उपस्थिति में स्थानीय निकाय निदेशक डॉ. नितिन बंसल और एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रेणु नारंग द्वारा एमओयू पर आधिकारिक हस्ताक्षर किये गये। इस अवसर पर नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि इस एमओयू (डव्) से नगरीय निकायों को स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को जैसे कि कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से पूर्णतः निस्तारण, संवहनीयता एवं वेस्ट–टू–वेल्थ को पूरा करने में सहयोग मिलेगा। प्रदेश में एनवीवीएन द्वारा वेस्ट–टू–चारकोल प्लान्ट की स्थापना एक नवीनतम प्रयास होगा, जिसके माध्यम से ग्रीन चारकोल का उत्पादन किया जायेगा। उत्पादित ग्रीन चारकोल का उपयोग विद्युत उत्पादन में भी किया जायेगा। इस आधुनिक तकनीक के प्रयोग से न केवल कचरे का पूर्ण निस्तारण होगा, बल्कि कार्बन फुटप्रिंट (ब्ंतइवद विवजचतपदज) को कम करने में भी सहायता मिलेगी। साथ ही यह पर्यावरण अनुकूल एक अग्रणी कदम भी होगा। उन्होंने कहा कि नगर विकास विभाग और एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) के मध्य हस्ताक्षरित इस एमओयू के माध्यम से सहयोगात्मक शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा। यह एमओयू उत्तर प्रदेश में क्लाइमेट रेसीलिन्स (ब्सपउंजम तमेपसपमदबम) और प्रभावी अपशिष्ट प्रबन्धन पर जोर देते हुए सतत शहरी विकास के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है।नगर विकास विभाग और एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) के मध्य नगर विकास मंत्री की उपस्थिति में आज जल निगम फील्ड हॉस्टल श्संगमश्, लखनऊ में समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित हुआ।नगर विकास विभाग और एनवीवीएन के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का उद्देश्य प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में विकास के लिए सहयोगात्मक प्रयास करना है। साथ ही नगर विकास विभाग के साथ मिलकर शहरों के सतत विकास के लिए वेस्ट–टू–चारकोल प्लान्ट की स्थापना भी करना है। इस एमओयू (डव्) के माध्यम से एनवीवीएन उत्तर प्रदेश के नगरीय निकायों से निकाले वाले कचरे का वैज्ञानिक पद्धति से निस्तारण करेगा और निकायों में वेस्ट–टू–चारकोल प्लान्ट की स्थापना भी एनवीवीएन द्वारा स्वयं अपने व्यय से की जाएगी। प्लांट से उत्पादित ग्रीन चारकोल का उपयोग एनवीवीएन द्वारा विद्युत निर्माण में किया जायेगा।इस दौरान स्थानीय निकाय निदेशक डॉ. नितिन बंसल और एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेणु नारंग, श्रीविजय कुमार, अंजनी कुमार सिंह, दीपक कुमार श्रीवास्तव सहित स्वच्छ भारत मिशन टीम के सदस्य भी उपस्थित रहे।

गीता परिवार ने धूमधाम से मनाया गोविन्ददेव गिरि का जन्मदिवस

लखनऊ(आरएनएस)। गीता परिवार उत्तर प्रदेश शाखा की ओर से गीता परिवार के संस्थापक एवं श्रीराम रामभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्ददेव गिरि महाराज का ७५वां जन्मदिवस बड़े धूमधाम एवं भक्तिमय वातावरण में कल्याणकारी आश्रम, श्रीदुर्गाजी मंदिर, शास्त्रीनगर में मनाया गया। इस मौके पर श्रीदुर्गा मंदिर के प्रांगण को भगवान राम के कटआउट एवं रंग बिरंगे फूलों को सुशोभित किया गया था। इस अवसर पर सामूहिक विष्णु सहस्त्रनाम, श्रीहनुमान चालीसा, संगीतमय सुंदकांड, सामूहिक श्रीमद भागवत गीता का पाठ एवं गुरुपूजन नामजप का आयोजन किया गया। गीता परिवार के सचिव अनुराग पांडेय ने बताया कि महाराज जी के जन्मदिवस कार्यक्रम में सैकड़ों संख्या माताओं बहनों, बच्चों एवं पुरुषों ने प्रतिभाग कर अपने जीवन को सार्थक बनाने का प्रयास किया। 100 दीपों से गुरुजी के 75वें जन्मदिवस की आकृति एवं रंग बिरंगे फूलों की रंगोली को स्वयंसेवकों ने बनाकर मंदिर प्रांगण की सुंदरता को सुशोभित कर रही थी। अरविन्द शर्मा ने कहा कि राम हमारे जीवन आदर्श हैं, निश्चित रूप से जितनी रामभक्ति करेंगे, उतना व्यक्तिगत जीवन निरखेगा, परिवार का कल्याण होगा और विश्व का कल्याण होगा। हमें भगवान राम के जीवन आदर्श, उनके बताए गए मार्गों पर चलने से हम सभी का कल्याण होगा जीवन में सुख समृद्धि बनी रहेगी। हम सभी को भगवान राम आदर्शों से प्रेरणा लेना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में अरविंद शर्मा, अनुराग पांडेय, श्याम बिहारी शुक्ला, रमेश पांडेय, विनोद दीक्षित, हरेराम शर्मा ने सहयोग किया। जन्मदिवस के समापन पर सभी भक्तों को महाप्रसाद का वितरण किया गया।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में महिला लघु उद्योग पर होगा कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ (आरएनएस) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में आज भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली एवं प्रबंध अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वाधान मे श् उत्तर प्रदेश में महिला उद्यमी के लिए स्टैंड अप योजना की ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच एवं सामाजिक – आर्थिक प्रभाव का आंकलन श् विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। आईसीएसएसआर द्वारा पोषित एवं प्रबंध अध्ययन विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ० लता बाजपेयी के दिशानिर्देश में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में ग्रामीण महिला उद्यमियों पर स्टैंड–अप इंडिया योजना की पहुंच और सामाजिक–आर्थिक प्रभाव मूल्यांकन पर अल्पकालिक अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना के परिणाम को साझा करना है। स्टैंड–अप इंडिया योजना भारत सरकार द्वारा शुरू की गई थी, जिससे कि ग्रीनफील्ड उद्यम शुरू करने हेतु महिलाओं, अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए ऋण की सुविधा प्रदान की जा सके। योजना के तहत विनिर्माण, व्यापार या सेवा जैसे क्षेत्रों में उद्यम स्थापित करने के लिए 10 लाख से 1 करोड़ तक का ऋण प्राप्त किया जा सकता है। यह योजना हाशिए पर रहने वाले समुदायों के इच्छुक उद्यमियों को सशक्त बनाने और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सहायता, ऋण सुविधा और उद्यमशीलता मार्गदर्शन सहित व्यापक समर्थन प्रदान करती है। योजना का ध्यान हाशिए पर रहने वाले समुदायों में समावेशी उद्यमशीलता और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर है।कार्यशाला की मदद से परियोजना निदेशक अपनी टीम के साथ न केवल प्रतिभागियों को जागरूक करेंगी बल्कि उनके साथ लाभार्थियों पर योजना के सकारात्मक प्रभाव को भी साझा करेंगी। नीति वृद्धि के लिए अंतदृ

पूंछतांछ के बाद आरओ एआरओ परीक्षा में पकड़े गये मुन्ना भाई को पुलिस ने भेजा जेल

आर0एन0एस0प्रतापगढ़। लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा में इलेक्ट्रानिक डिवाइस के साथ पकडे गये मुन्ना भाई को सोमवार को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। वहीं आरोपी मुन्ना भाई से पूछताछ के बाद पुलिस नकल माफियाओं के रैकेट का खुलासा करने में जुटी है। लालगंज नगर के रामअंजोर मिश्र इण्टर कालेज में बीती रविवार की सुबह आरओ व एआरओ की चल रही परीक्षा के दौरान कक्ष निरीक्षक ने पटटी तहसील के बसेहरा निवासी सुभाषचंद्र के पुत्र प्रवीण कुमार पटेल को कान में लगाकर इलेक्ट्रानिक डिवाइस से नकल करते हुए रंगे हाथ पकड़ा था। मामले को लेकर केन्द्र व्यवस्थापक व विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार शुक्ल की तहरीर पर आरोपी प्रवीण कुमार पटेल के खिलाफ परीक्षा में अनुचित संसाधन के प्रयोग तथा जालसाजी का केस दर्ज किया। कोतवाल अवन दीक्षित का कहना है कि आरोपी छात्र से पूछताछ के बाद नकल माफियाओं को लेकर छानबीन की जा रही है। आरोपी के मोबाइल नंबरों के माध्यम से भी छानबीन जारी है। नकल माफियाओं के रैकेट पर शीघ्र ही शिकंजा कसा जाएगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में एक-दूजे के हुए बारह जोड़े

आर0एन0एस0प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत रामपुर संग्रामगढ़ ब्लाक सभागार में सोमवार को बारह युगल एक दूजे के हो गये। नवयुगल जोड़ों को शासन की तरफ से गिफ्ट व पैंतीस हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी। बीडीओ तथा एडीओ पंचायत प्रवीण कुमार ने वैवाहिक जोड़ों को विवाह का प्रमाण पत्र देकर उन्हें सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आयोजन बीडीओ अश्विनी कुमार सोनकर ने किया। इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण महेन्द्र कुमार, एमडी सरोज, विकास यादव, विवेक कौलिक, राजेश गुप्ता, सरिता पाण्डेय, राकेश सिंह, प्रमोद पटेल, रूपनाथ पटेल, रेशमलाल जायसवाल, धीरज सिंह, मिथलेश सिंह आदि मौजूद रहे।

गैस एजेन्सी में हजारों की चोरी, पुलिस बता रही संदिग्ध

आर0एन0एस0प्रतापगढ़। अजगरा बाजार में पुलिस चौकी खुलते ही बदमाशों ने पुलिस को कड़ी चुनौती दे दी। गैस एजेन्सी में घुसे बदमाश हजारों की नकदी व कीमती सामान उठा ले गये। घटना को लेकर एजेन्सी संचालक ने सोमवार को पुलिस को तहरीर दी है। लीलापुर थानान्तर्गत अजगरा निवासी मनोज सिंह पुत्र स्व0 रणविजय सिंह अजगरा में इण्डेन गैस ग्रामीण वितरक के संचालक है। मनोज सिंह के अनुसार रविवार की रात लगभग आठ बजे इण्डेन गैस कर्मचारी आफिस को बंद करके घर चले गये। अगले दिन सोमवार सुबह आफिस खोलने पहुंचे तो उसका दरवाजा चौनल टूटा देख आवाक रहे गये। सूचना पर संचालक मनोज भी मौके पर पहुंच गये। आरोप है कि चोर कार्यालय में रखी आलमारी का लाक तोडकर पैंसठ हजार तीन सौ सत्तावन रूपये की नकदी, दो सौ रेगुलेटर, हाउस पाइप, गैस चूल्हा, लैपटाप व मोबाइल आदि सामान उठा ले गये। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ घटना की तहरीर दी है। थानाध्यक्ष नीरज यादव का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

चौकीदारों ने मुख्यमंत्री को संबोधित डीएम को दिया ज्ञापन, वादों की दिलाई याद

आर0एन0एस0प्रतापगढ़। ग्राम प्रहरी चौकीदारों ने वेतन बढ़ाने, राज्यकर्मचारी का दर्जा दिए जाने, पुलिस के अनुरूप वर्दी जैसी मांगों को लेकर डीएम के जरिये सोमवार को मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया। ग्राम प्रहरी चौकीदार संघ के सैकड़ों चौकीदार एकत्र हो कर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में उनकी मुख्य मांग वेतन बढ़ाने को लेकर है। चौकीदारों का कहना है की उत्तर प्रदेश के लगभग सत्तर हजार ग्राम प्रहरी चौकीदार पच्चीस सौ रुपए वेतन में गांव की निरंतर रखवाली करते है। चौकीदारों ने बढ़ती महंगाई को देखते हुए कई बार अपनी मांगों को शासन प्रशासन तक पहुंचाते रहे हैं। चौकीदारों ने बताया की उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने से पहले संघ के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों को भाजपा कार्यालय लखनऊ बुलाकर यह वादा किया गया था की आप लोग हमारा साथ दीजिए। भाजपा की सरकार बनने पर आप सभी ग्राम प्रहरी चौकीदारों को वेतन वृद्धि करते हुए राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाएगा। लेकिन सरकार बनने के बाद भी चौकीदारों की कोई मांग पूरी नहीं हुई। इसी को लेकर ग्राम प्रहरी चौकीदारों ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच कर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया। इस दौरान जिला अध्यक्ष अरुवनी सरोज, तीरथ राज यादव, विजय विश्वकर्मा, हरिकेश कुमार यादव, किशन सरोज,

सी.एम.एस. भावी पीढ़ी को समाज के नवनिर्माण हेतु तैयार कर रहा है - इन्द्रजीत सिंह, नगर आयुक्त, लखनऊ

लखनऊ, 12 फरवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस द्वारा 'पर्यावरण कार्यशाला' का भव्य आयोजन आज विद्यालय के सजे–धजे परिसर में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप पधारे लखनऊ के नगर आयुक्त श्री इन्द्रजीत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि सी.एम.एस. भावी पीढ़ी को समाज के नवनिर्माण हेतु तैयार कर रहा है। मुझे खुशी है कि सी.एम.एस. छात्रों को पर्यावरण, जल–संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण एवं भूजल जैसी मूलभूत चीजों में रचनात्मक योगदान हेतु प्रेरित कर रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सामाजिक विकास में प्रत्येक

नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर श्री इन्द्रजीत सिंह ने स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित भी किया। इससे पहले, श्री सिंह ने महान शिक्षाविद् व सी.एम.एस. संस्थापक स्वं. डा. जगदीश गाँधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रगतिशील समाज के लिए जिम्मेदार नागरिक होना आवश्यक है। प्रो. किंगडन ने कहा कि छोटे–छोटे प्रयास प्रभावशाली परिवर्तन लाते हैं।कार्यशाला का शुभारम्भ स्कूल प्रार्थना एवं सर्वधर्म प्रार्थना से हुआ। इस कार्यशाला में विद्यालय के 750 से अधिक छात्रों ने बड़े उत्साह से भागीदारी की और जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण एवं जल व ऊर्जा संरक्षण प्रति जागरूकता जगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर छात्रों ने मल्टीमीडिया प्रजेन्टेशन द्वारा पर्यावरण एवं जल संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला, साथ ही राजाजीपुरम क्षेत्र में ग्राउण्डवाटर को बढ़ाने, जल–संरक्षण को बढ़ावा देने एवं पर्यावरण में सुधार की अपनी योजनाओं को सभी के समक्ष रखा। कार्यशाला का समापन सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या श्रीमती निशा पाण्डेय के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

सर्वोत्तम इंटरनेशनल स्कूल ने किया प्रधानाचार्या संवाद सत्र 2024–25 का आयोजन

नोएडा रूसर्वोत्तम इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेटर नोएडा पश्चिम ने 8 फरवरी, 2024 को निर्देशक प्रधानाचार्या डॉ. प्रियंका मेहता के मार्गदर्शन में एक सहयोगात्मक सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में दिल्ली–एनसीआर के विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ एक साझेदारी शिक्षा के मंच का विकास का प्रयास किया गया।इस कार्यक्रम में कई प्रमुख व्यक्तित्व उपस्थित थे, जिनमें सीबीएसई के निर्देशक डॉ. बिश्वजीत साहा, शिक्षा मंत्रालय, सुश्री श्वेता खन्ना जो स्नोई

आउल की संस्थापक हैं, स्कूल प्रबंधन और आसपास के विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य भी शामिल थे।यह कार्यक्रम एक परस्पर संवादात्मक सत्र था जिसमें डॉ. साहा ने सीबीएसई एनईपी 2020 नीति पर प्रकाश डाला और इसे प्रधानाचार्यों द्वारा उनके स्कूल में कैसे लागू किया जा सकता है इस विषय पर चर्चा की। इस सत्र के दौरान डॉ. साहा ने उपस्थित लोगों के प्रश्नों और शंकाओं का भी उत्तर दिया। सत्र ने सभी शिक्षकों को एनईपी पर स्पष्ट तस्वीर रखने के लिए मंच प्रदान किया। कुल मिलाकर आयोजन ज्ञानवधक रहा।

रालोद ने पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की जयंती मनाई

झांसी। पूर्व केन्द्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह की जयंती पर नगर में प्रदेश सचिव अशोक कुमार निरंजन के आवास पर रालोद कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्री अशोक निरंजन ने कहा कि चौधरी अजित सिंह ने जीवन भर किसानों और मजदूरों के लिए काम किए। चीनी मिलों के बीच की दूरी को कम कराया। बागपत में तीन चीनी मिल इसकी कारण

लगी। पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह की विचारधारा की विरासत को चौधरी अजित सिंह ने बखूबी संभाला था। वर्तमान में उनके सुपुत्र व राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य जयंत चौधरी भी इस परंपरा का निर्वहन करते हुए राष्ट्रीय लोकदल को किसानों ,मजलूमों एवं अल्पसंख्यकों, कमेरावर्ग आदि की समस्याओं का निदान कराने में जुटे हुए हैं। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता अजय रावत ,युवा बुंदेलखंड अध्यक्ष रालोद नीरज पटेल, पूर्व कार्यवाहक जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व बुंदेलखंड अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल पिछड़ा वर्ग राकेश कुशवाहा, हरिराम प्रजापति ,सुमित गुप्ता, पुष्पेंद्र दांगी ,जयशंकर यादव ,लोकेंद्र पटेल ,जयपाल, मुराद अली ,सौरभ प्रजापति ,राजू प्रजापति ,अवधेश नामदेव, अनिल यादव सहित आदि रालोद कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

एनसीआरएमयू ई एम एस 2 स्टोर ब्रांच झांसी में नए पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान

झांसी! पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान किया गया एनसीआरएमयू ई एम एस 2 स्टोर ब्रांच झांसी में नए पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान कर उन्हें यूनियन मे कर्मठता से काम करने के लिए प्रेरित किया गया। शाखा में नए बने पदाधिकारियों में कॉ अविनाश सिंह कुशवाहा उपाध्यक्ष सी एम एल आर कारखाना से और कॉ शुभांशू शर्मा उपाध्यक्ष डब्लू ए ओ ऑफिस से बनाए गएकार्यकम

में सहायक मंडल सचिव कॉ आरपी सिसौदिया, शाखा अध्यक्ष शशी कपूर, मनोज अग्रवाल, दिलीप राठौर, संजय तिवारी, हेमंत कुमार, नाहर सिंह, विजय कुमार, जीतेन्द्र कुमार, आर एस चौहान, हिम्मत सिंह, कमल नयन पांडे, नीरज पाखरे, मो. याकूब, राम नरेश यादव, नरेंद्र देव, देवेंद्र कुशवाहा, विनीत वर्मा, निशांक, हनीफ, संजय श्रीवास्तव, मुकेश मीना, भूपाल सिंह, रमेश कुमार, घुटई आदि शामिल रहे। संचालन शाखा सचिव कॉम जगत पाल सिंह यादव ने किया

ए टू जेड फार्मास्यूटिकल्स एण्ड लेबोरेटरी लेकर आई चार नए बायोलॉजिकल नैनो टेक्नोलॉजी से निर्मित औषधियां

लखनऊ रूए टू जेड फार्मास्यूटिकल्स एण्ड लेबोरेटरी के निदेशक डॉ गौतम बिस्वास ने अपनी टीम के साथ लखनऊ के होटल अम्बर में चार नए बायोलॉजिकल नैनो टेक्नोलॉजी से निर्मित औषधियां

लॉन्च की ।ए टू जेड फार्मास्यूटिकल्स एण्ड लैबोरेटरी के निदेशक डॉ. गौतम विश्वास में अपनी टीम के साथ लखनऊ के होटल अम्बर में चार नए बायोजिकल नैनो टेक्नोलॉजी (रसियन फॉर्मूला) से निर्मित चार औषधियों हेल्थ आइकॉन , पाइल्स फिट , गाउट गोल्ड कैप , गाउट वती टेबलेट को लॉन्च किया। इसमें लगभग 140 होलसेलर व डिस्ट्रिब्यूटर्स शामिल हुए। उन्होंने अपने प्रोडक्ट के बारे में जानकारी दी।डॉ गौतम ने कहा हमें विश्वास है यह उत्पाद भी आमजन के लिये लाभदायक होगी। उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा उत्पादित प्रोडक्ट्स 17 वर्षों से लागातार उपभोगताओं के भरोसें पर कायम रहें हैं। हमारे उत्पाद लगातार साल दर साल जानता के लिए लाभदायक रहे है। आपके अभूतपूर्व

उत्साह एवं सहयोग कि वजह से कंपनी इस व्यवसाय में एक उच्च मुकाम हासिल करने में सफल रही है। हम दिल की गहराइयों से आम जनता का आभार व्यक्त करते है।हेल्थ आइकॉन जो स्वस्थ शरीर के लिए अति उत्तम औषधि हैं

जो स्फूर्ति, ताकत और स्टेमिना तथा लीवर के रोगों को ठीक करती हैं।और पाइल्स फिट – बवासीर की अचूक औषधि जो किसी भी प्रकार के गुदा रोग की गहराइयों को जड़ से खघ्त्म करती हैं।गाउट गोल्ड कैप जो जोड़ो के दर्द की उत्तम औषधि जो कि शरीर में किसी प्रकार की स्पॉन्डिलाइटिस दर्द, जकड़न, कमर दर्द, कूल्हें के दर्द और चलने फिरने में परेशानी आदि को जड़ से खघ्त्म करती है। इसी तरह गाउट वती कैप , जोड़ो के दर्द की उत्तम औषधि जो कि शरीर में किसी प्रकार की स्पॉन्डिलाइटिस दर्द, जकड़न, कमर दर्द, कूल्हें के दर्द और चलने फिरने में परेशानी आदि को जड़ से खघ्त्म करती हैं। किसी भी जानकारी या परामर्श के लिए डॉ गौतम बिस्वास से नीचे दिए गए मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क कर सकते हैं। –9411906045,8077684185

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग से शिष्टाचार भेंट की – अंबिका श्रीवास्तव

झांसी! आज बुंदेलखंड कायस्थ महासभा झांसी के केंद्रीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम नारायण श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष झांसी अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव तथा अन्य सामाजिक सदस्यों ने मध्य प्रदेश शासन के खेलकूद युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री मध्य प्रदेश शासन श्री विश्वास कैलाश सारंग के निवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट की और कानपुर ग्वालियर हाईवे पर नगर निगम झांसी सन फ्रान अशोक सिटी के सामने स्थित स्वीकृत भगवान चित्रगुप्त चौराहे के लोकार्पण हेतु बुंदेलखंड कायस्थ महासभा की तरफ से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हुए उन्हें आमंत्रण पत्र सोप इस अवसर पर उन्होंने इस कार्यक्रम में सहर्ष उपस्थित होने की स्वीकृति प्रदान की

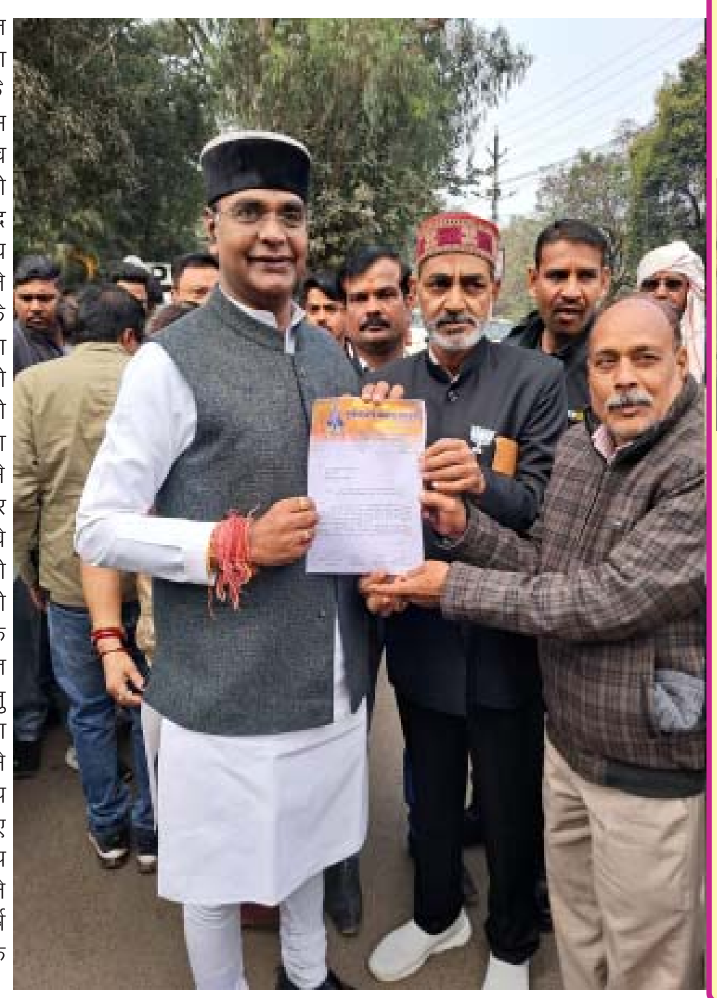

छात्र जीवन में मिली शिक्षा दीक्षा भविष्य की आधारशिला है- डॉक्टर संदीप

झाँसी। जवाहर पब्लिक इंटर कॉलेज एवं ओम शांति किड्स स्कूल, उन्नाव गेट बाहर का वार्षिक उत्सव आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया जिसमें बच्चों द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियों में स्वागत गीत, प्रकृति संरक्षण, स्किल इंडिया, स्टॉप चाइल्ड लेबर, रेन थीम डांस, विजयी भवरू, स्कूल लाइफ जैसी रोचक एवं गंभीर विषयों पर प्रस्तुतियां दी गई। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी संदीप सरावगी, विशिष्ट अतिथि रविकांत दुबे, झाँसी कल्चरल सोसायटी के

संस्थापक एवं भारतीय योग संस्थान के प्रांतीय सदस्य कुमार विपिन अग्रवाल के साथ, विद्यालय प्रबंधक अभय अग्रवाल ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके पश्चात कराटे में गोल्ड मेडल लाने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ० संदीप सरावगी ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा छात्र जीवन हमारे संपूर्ण जीवन काल का बहुमूल्य हिस्सा होता है छात्र जीवन में ही हम एक दूसरे से रिश्ते निभाना, सामाजिक संस्कार आदि सीखते हैं। छात्र जीवन में ग्रहण की गई शिक्षा दीक्षा ही हमारे उज्जवल भविष्य का निर्माण करती है। यह ऐसा अमूल्य समय होता है जो हमें जीवन भर याद रहता है हमारे अंदर की जो प्रतिभायें हैं उन्हें उजागर करने के लिए विद्यालय सबसे अच्छा माध्यम है चाहे वह शिक्षा क्षेत्र में हो, कला क्षेत्र में हो या खेल क्षेत्र में। बस आवश्यकता होती है एक कुशल प्रशिक्षक की, एक कुशल प्रशिक्षक ही हमारा सर्वांगीण विकास कर सकता है। हमें अपने शिक्षकों का हमेशा सम्मान करना चाहिए प्राचीन काल में गुरु और शिष्य के बीच जो अटूट संबंध होते थे वह धीरे–धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। इसके पीछे का मुख्य कारण अपनी संस्कृति को छोड़कर पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण है। जिस प्रकार आज सभी छात्रों ने मिलकर कार्यक्रम प्रस्तुत किया इसी तरह आजीवन एक दूसरे का साथ देते रहेंगे तो हम भविष्य में एक आदर्श समाज की स्थापना कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी छात्र को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने में कोई अभाव सामने आता है तो वह बेझिझक एसएम टावर स्थित हमारे संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर संपर्क कर सकता है निश्चित रूप से उसकी यथा संभव सहायता की जायेगी। अंत में सभी छात्रों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। कार्यक्रम का संचालन आनंद सोनी ने किया। विद्यालय की सभी शिक्षिका कु० शिवांगी, रानू, नीतू, आफरीन, सिमरन, आकांक्षा, पलक, सुहाना, शालू , ईशा, उमरा, गीता ने बच्चों की बेहद ही शानदार प्रस्तुतियां तैयार कराई। आये हुए समस्त अतिथियों का आभार संयुक्त रूप से प्रबंधक अभय अग्रवाल, जवाहर पब्लिक इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य सुमन एवं ओम शांति किड्स की प्रधानाचार्या नीतू जी ने किया।

थानाध्यक्ष द्वारा अभद्रता पर आक्रोशित हुए अधिवक्ता, हड़ताल

सुलतानपुर(आरएनएस)। करौंदीकला एसओ पर अधिवक्ता से अभद्रता, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग व थाने में गलत व्यवहार किए जाने का आरोप लगा है। इस संबंध में पीड़ित अधिवक्ता ने बार एसोसिएशन सचिव से शिकायत की गई। जिस पर महासचिव प्रत्याशी दिनेश कुमार दुबे के साथ अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल एसपी सोमेन वर्मा से मिला और उन्हें पूरे मामले से अवगत कराया। बार सचिव आत्ममणि मिश्रा ने बताया कि अधिवक्ता भारत नाथ रविवार को करौंदीकला थाने पर अपने मुवक्किल के बुलाने पर गए थे। जहां एसओ अकरम खान ने उनके साथ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अभद्रता किया। यही नहीं थाने में अधिवक्ता का जूता उतरवाकर उनसे मोबाइल लेकर उनके साथ एक आरोपी के जैसा सलूक किया गया। उन्होंने इस संबंध में एसपी से मिलकर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग किया है। साथ ही ये भी कहा है कि थाने में सीसीटीवी लगा है जिसका अवलोकन किया जाए तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। वही पीड़ित अधिवक्ता भारत नाथ ने बताया कि मेरे मुवक्किल नंदू ने थानाक्षेत्र में अपने पट्टे की जमीन पर छप्पर रख लिया था। विपक्षी चौतू ने थाने पर इसकी शिकायत किया था तो एसओ ने दोनों पक्ष को रविवार को थाने पर बुलाया। नंदू ने हमें बुलाया कि आप पेपर लेकर आ जाए कि इसी गाटे से सटे जमीन का वाद चल रहा है और सारे दस्तावेज हमारे पास ही हैं।

अधिवक्ता ने बताया कि जब हम थाने पहुंचे तो एसओ ने हमारे साथ अभद्रता करते हुए जाति सूचक शब्द कहे और कस्टडी में लिया।

शाम को हमें थाने से रिहा किया। इस मौके पर मुकेश कुमार पांडेय, रोहित अवस्थी, जयंत मिश्र, शिव पांडे, सत्येंद्र शुक्ला, विमल दूबे, हिमांशु मिश्र, अजय त्रिपाठी आदि प्रमुख रुप से मौजूद रहे।

उल्टे पांव अयोध्या की यात्रा पर निकले युवक पर पथराव

सुलतानपुर(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ से अयोध्या धाम के लिए उल्टे पांव यात्रा पर निकले युवा मुसाफिर पर सुल्तानपुर की सीमा के निकट पथराव हुआ। अभद्रता और अपमान से पीड़ित श्रद्धालु ने डीएम से मिलकर आपबीती सुनाई। राम पथ गमन पर आगे की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। समाज की नकारात्मक उत्तर को खत्म करने के लिए युवक ने यह यात्रा शुरू की है। यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, मणिपुर के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद और छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले हर दिल अजीज मेहुल लखानी के साथ सुल्तानपुर में बड़ी घटना हुई है। समाज में नकारात्मकता अधिक है लोग व्यवस्था और पद्धतियों का उल्टा कार्य कर रहे हैं। जिसे संतुलित करने के लिए छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ निवासी युवा श्रद्धालु मेहुल लखानी इन दोनों उल्टे पांव से यात्रा करते हुए अयोध्या धाम की ओर बढ़ रहे हैं। प्रयागराज से राम पथ गमन पर चलने के दौरान अवांछित तत्वों ने उन पर पथराव किया, गालियां दी और अभद्रता किया।

गोमती नदी में मछली पकड़ते समय दो लोग डूबे

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। गोमती नदी में मछली पकड़ने आए दो लोगों की डूब कर मौत हो गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से एक युवक का शव बरामद कर लिया तथा दूसरे व्यक्ति की खोजबीन जारी है। थाना कुमारगंज देवगांव चौकी क्षेत्र के फजलपुर गांव निवासी राम किशोर पुत्र सजाऊ गांव के ही राममिलन पुत्र राम आनंद के साथ गांव के पास से गुजरी गोमती नदी में रविवार की शाम करीब 6:00 बजे मछली का शिकार करने के लिए इदिलपुर घाट पर गए थे। काफी रात बीतने के बाद जब वापस नहीं आए तो परिजन खोजते हुए घाट पर पहुंचे और आवाज लगाई लेकिन कोई पता नहीं लग सका।

रामलला के दरबार में आए दिल्ली के सीएम अरविंद केजवरी व पजाब के सीएम भगवंत मान

अयोध्या(आरएनएस)। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही दिग्गज माननीयों का अयोध्या आकर भगवान रामलला के दर्शन पूजन का क्रम लगातार चल रहा है। प्रदेश की कैबिनेट कल रामजी का दर्शन की है। भाजपा शासित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी कैबिनेट के साथ दर्शनक्रम निर्धारित हो चुका है। वहीं सोमवार को आम आदमी पार्टी के दोनों मुख्यमंत्री सपरिवार राम लला का दर्शन करने पहुंचे। भारी संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय वाल्मीकि एयरपोर्ट पर जयघोष के साथ स्वागत किया जिसके बाद मीडिया से दूरी बनाते हुए दोनों मुख्यमंत्री काफिले के साथ रामजन्म भूमि परिसर रवाना हुए। रामलला के दर्शन पूजन के बाद एयरपोर्ट पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज रामलला का दर्शन पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रभु राम का दर्शन करके असीम शांति का अनुभव मिला। बहुत अच्छा लगा, इसका वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता। पूरे समाज और पूरे विश्व के लिए सौभाग्य की बात है कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य और सुंदर मंदिर बनकर तैयार हुआ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला युवती का शव

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। खंडासा थाना क्षेत्र के अमरगंज बाजार स्थित एक निजी विद्यालय की चहारदीवारी के अंदर सोमवार सुबह एक युवती का संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका शव मिला। बाजार वासियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद शव की पहचान थाना क्षेत्र के ही चमरूपुर पूरे पासी निवासी नीलम (21) पुत्री सुरेश कुमार के रूप में हुई। विद्यालय की चहार दिवारी के अंदर उगे रेड़ के छोटे से पेड़ में युवती का शव टंगा था युवती के दोनों पैर जमीन पर थे और दोनों घुटने भी पूरी तरह से मुड़े थे। जिसे देखने वाला हर कोई यही कह रहा था कि युवती को मारकर टांगा गया है। इस तरह फांसी लगाने से मौत नहीं हो सकती। वहीं पुलिस का कहना है कि युवती के सिर में दर्द रहता था जिसकी दवा चलती थी कुछ दिनों से बाल झड़ने के कारण भी वह परेशान थी। रविवार शाम को युवती घर से निकली थी। फॉरेंसिक जांच टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर गहन जांच पड़ताल की। खंडासा पुलिस ने शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि कोई तहरीर नहीं मिली है

प्रवर्तन दल की सख्ती के चलते हो रहा जुर्माना व एफआईआर

सुल्तानपुर(आरएनएस)। मौका देखकर चौका और छक्का लगाने वाले वन माफियाध्तथाकथित ठेकेदारों के चेहरें से वन विभाग द्वारा गठित प्रवर्तन दलध्उड़नदस्ता मेकप उतारने में जुट गया है। अबतक की कार्यवाही में लाखों का जुर्माना करने के साथ बेशकीमती लकडिध्यों का जखीरा पकडाध जा चुका है, साथ ही कई वन माफियाओं पर वन अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा भी पंजीकृत किए गए है। डीएफओ डीके त्रपाठी की सख्ती और एसडीओ का गजब का नेत्तृव आखिर सोने वाले वन कर्मियों को नींद से जागने और वन माफियाओं पर कार्यवाही के प्रतिशत बढाध्ने के लिए मजबूर कर दिया है। बीते रविवार को बंधुआकलां व धमौर थाना क्षेत्र के वन माफियाओं पर सदर रेंज ने आखिर कार्यवाही के रूप में छः हजार पांच सौ रू.का जुर्माना लगाया है।बधुंआकलां थाना क्षेत्र के हसनपुर ग्रामसभा के सुरेंद्र व धमौर थाना क्षेत्र के सन्ने द्वारा अवैध रूप से नींम के वृक्ष को काटकर लेकर भाग निकले थे। सूचना पर प्रवर्तन दल व सदर रेंज ने आखिर में वन माफिया को दबोच लिया और जुर्माना करते हुए आगे की कार्यवाही में जुटा हुआ है। इसी तरह सीएचसी भदैयां अंतर्गत आयुष मंदिर परिसर में एक सूखा शीशम बगैर सरकारी औपचारिकताएं पूर्ण किए काट दिया। मौके पर प्रवर्तन दल प्रभारी पहुंचकर वैल्यूशन तैयार करने से पहले सीएचसी अधीक्षक द्वारा मुकदमा पंजीकृत करवाने के लिए निर्देशित किया,तब जाकर एफआईआर दर्ज हुई। प्रवर्तन दल प्रभारी ने बताया कि आगे की कार्यवाही प्रचलित है।

संपादकीय

एनडीए में अटका है सीट बंटवारा

भारतीय जनता पार्टी की ओर से कुछ समय पहले मीडिया के चुनिंदा लोगों को यह जानकारी दी गई थी कि फरवरी के पहले हफ्ते में भाजपा के लोकसभा उम्मीदवारों की पहली सूची आ जाएगी। यह भी कहा गया था कि मध्य प्रदेश मॉडल पर भाजपा चुनाव की घोषणा से पहले ही उम्मीदवारों की सूची जारी करके विपक्षी पार्टियों को चौंकाने वाली है। यहां तक कहा गया था कि पार्टी ने 160 सीटों पर उम्मीदवारों की छंटनी कर ली है। ये 160 सीटें वो हैं, जहां भाजपा पिछली बार चुनाव लड़ी थी और हारी थी। यानी दूसरे और तीसरे या चौथे स्थान पर रही थी। इसके अलावा इसमें वो सीटें भी शामिल हैं, जो पिछली बार भाजपा दो फीसदी से कम वोट के अंतर से जीती थी। इन सीटों पर नए और मजबूत उम्मीदवार उतारे जाने की चर्चा थी। लेकिन फरवरी का दूसरा हफ्ता चालू हो गया और अभी तक भाजपा प्रदेश में ही उम्मीदवारों के नामों की छंटनी में लगी है। अब भाजपा की ओर से बताया जा रहा है कि अपने उम्मीदवार तय करने से पहले भाजपा नए सिरे से गठबंधन को मजबूत करने के काम में लग गई है। भाजपा अलग अलग राज्यों में नए गठबंधन सहयोगियों को जोड़ रही है। अगर सहयोगी जुड़ जाते हैं तो फिर उनके साथ सीट बंटवारा करना होगा और उसके बाद ही भाजपा अपने उम्मीदवारों के नाम तय करेगी। लेकिन सवाल है कि जिन राज्यों में भाजपा का गठबंधन पहले से है वहां सीट बंटवारा क्यों नहीं कर रही है भाजपा?असल में भाजपा ने कई राज्यों में जान–बूझकर सीट बंटवारा अटकाया है, जिससे उसकी सहयोगी पार्टियां परेशान हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र आदि राज्यों में भाजपा के सहयोगी तय हैं लेकिन अभी पार्टी सीट बंटवारा करने की जल्दी नहीं दिखा रही है। कहा जा रहा है कि भाजपा को अब भी उम्मीद है कि वह कुछ नए सहयोगी जोड़ेगी इसलिए वह सीट बंटवारे की बात नहीं कर रही है। ध्यान रहे एक महीना पहले बिहार के सहयोगी भाजपा नेताओं से मिल रहे थे और सीट बंटवारे की बात कर रहे थे लेकिन अचानक पिछले महीने तस्वीर बदल गई। नीतीश कुमार की वापसी हो गई। अब भी भाजपा को लग रहा है कि विकासशील इंसान पार्टी के नेता मुकेश सहनी गठबंधन में आ सकते हैं। संभवतरू इसलिए इंतजार हो रहा है। वैसे कहा यह जा रहा है कि नई सरकार के बहुमत साबित करने के बाद सीट बंटवारा होगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा के सहयोगी अनुप्रिया पटेल, ओमप्रकाश राजभर और संजय निषाद कितने समय से सीट बंटवारे की मांग कर रहे हैं। सभी नेता पिछले कुछ दिनों में अमित शाह और जेपी नड्डा से मिल चुके हैं। लेकिन भाजपा गठबंधन रोके हुए है। इस बीच खबर है कि जयंत चौधरी की रालोद को एनडीए में लाने की बात हो रही है। इस वजह से सीट बंटवारा टल रहा है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और अजित पवार दोनों जल्दी से जल्दी सीट बंटवारा चाहते हैं लेकिन भाजपा कोई जल्दी नहीं दिखा रही है। क्या उद्धव ठाकरे का इंतजार हो रहा है?

भारत रत्न से नेहरू परिवार के विरोध की राजनीति

भारत रत्न या दूसरे नागरिक पुरस्कार पहले भी राजनीतिक मकसद के लिए इस्तेमाल होते रहे हैं। इसलिए अब हो रहे हैं तो कोई हैरानी की बात नहीं है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका इस्तेमाल ज्यादा बेहतर रणनीति के साथ किया है। वे भावना में बह कर अपने लोगों को या हिंदुत्व के विचारधारा वालों को भारत रत्न नहीं बांट रहे हैं। उन्होंने हिंदुत्व से बाहर वोट की राजनीति को ध्यान में रखा और कांग्रेस विरोध की राजनीति को इसके केंद्र में रखा। हिंदुत्व के आईकॉन या भाजपा के नेता के तौर पर तो मोदी ने सिर्फ तीन लोगों– अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और नानाजी देशमुख को भारत रत्न दिया। लेकिन पांच ऐसे लोगों को दिया, जो कांग्रेस में रहे हैं या समाजवादी राजनीति के पुरोधा रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने 10 में से सिर्फ दो ही भारत रत्न अराजनीतिक हस्तियों को दिया।बहरहाल, मोदी ने मदन मोहन मालवीय से शुरुआत की थी। वे कांग्रेस में रहे थे लेकिन नेहरू विरोधी खेमे में थे। इसके बाद मोदी ने प्रणब मुखर्जी को भारत रत्न दिया और वे भी नेहरू–गांधी परिवार के पसंदीदा नहीं रहे थे। तीसरा भारत रत्न पीवी नरसिंह राव को दिया, जिनके साथ सोनिया गांधी के परिवार का कैसा संबंध था यह सब जानते हैं। सो, इस तरह से तीन ऐसे नेता चुने गए, जिनका योगदान तो बड़ा था लेकिन साथ ही परिवार के साथ जिनके संबंध अच्छे नहीं थे। इसी तरह कर्पूरी ठाकुर और चौधरी चरण सिंह दोनों घनघोर कांग्रेस विरोध के लिए जाने जाते हैं। सबको पता है कि 1977 की हार के बाद ज्यादातर लोग इंदिरा गांधी की गिरफ्तारी के पक्ष में नहीं थे लेकिन चौधरी चरण सिंह के दबाव की वजह से सरकार ने उनक गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में चरण सिंह कांग्रेस के समर्थन से ही प्रधानमंत्री बने थे लेकिन बहुमत साबित करने से पहले ही कांग्रेस ने समर्थन वापस लेकर सरकार गिरा दी थी।

हल्द्वानी हिंसा का दोषी कौन?

अजय दीक्षित

गत वृहस्पतिवार 8 फरवरी को तथाकथित एक अवैध मदरसे को तोड़ने के बाद जिस पैमाने पर हल्द्वानी में हिंसा हुई, वह बहुत चिंता का विषय है । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को बुलडोजर मुख्यमंत्री के रूप में जाना जाता है । हल्द्वानी नैनीताल जिले का हिस्सा है । नैनीताल पहाड़ी इलाका है, पर हल्द्वानी मैदानी इलाका है । सन् 1947 के भारत विभाजन के बाद बड़े पैमाने पर सिख यहां आकर बस गये । वहां उनके बहुत बड़े फॉर्म हैं । इन फार्मों में अब तो ज्यादातर काम मशीनों से होता है, पर कुछ समय पहले तक सब काम श्रेम्यूअलरू था अर्थात, आदमी काम करते थे । हल्द्वानी में मुस्लिम आबादी बहुत ज्यादा नहीं है । इनका यहां कोई पुश्तैनी धंधा भी नहीं है । जब पीतल के बर्तन इस्तेमाल होते थे, तो कुछ मुसलमान कलई करने का काम करते थे । यहां के कुछ मुसलमान चूड़ी पहनाने का काम करते थे । अब भी कुछ करते होंगे । हिन्दू स्त्रियां इन्हीं से चूड़ी पहनती थी । अच्छा भाईचारा था । बड़ी उम्र की हिन्दू महिलाओं को ये चूड़ीदार खाला कहकर आदर देते हैं । अन्य कम उम्र की हिन्दू महिलाओं के लिएश्बहनाश या अन्य आदर सूचक शब्दों का प्रयोग करते थे या हैं । कम उम्र की लड़कियां जब इनसे चूड़ी पहनती हैं तो उन्हें श्चाचा जानश कहती थी । अब भी कहती होंगी । लखनऊ या देहरादून में बैठे राजनैतिक आका (उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के चयनित मुख्यमंत्री व अन्य मंत्री गण) शायद इस भाईचारे को जानते नहीं । प्रशासनिक अधिकारियों की मजबूरी है कि उन्हें ऊपर से प्राप्त आदेश का पालन करना होता है । टी.वी.में दिखलाया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इन दंगाइयों को गोली मारने के आदेश दिये हैं । हल्द्वानी उत्तराखण्ड में है । शायद वहां के मुख्यमंत्री ने भी ऐसा ही आदेश दे दिया होगा । असल में हल्द्वानी बरेली और मुरादाबाद से सटा हुआ है । अवैध निर्माण को तोड़ना है या हटाना पूरी तरह से जायज है । नैनीताल की महिला डीएम ने कहा है कि यह मदरसा कोर्ट के आदेश से तोड़ा गया है । अच्छा होता कि मुस्लिम नेताओं को विश्वास में लेकर यह कार्य भाई की जानी चाहिये थी। फिर वृहस्पतिवार का दिन ठीक नहीं था ।

यूपी में राज्यसभा चुनाव के दौरान भाजपा एक बार फिर सपा को पटखनी देती नजर आ रही है

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की खाली हो रही 10 सीटों में 9 भाजपा और एक सपा के पास हैं। जो ताजा समीकरण बन रहा है उससे बीजेपी का 07 सीटों पर जीतना तय माना जा रहा है। वहीं दो सीटों पर सपा की जीत निश्चित मानी जा रही है। एक सीट का पेंच फंसा है।उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की रिक्त हुई इस सीटों के लिए बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी तय कर लिये हैं। भाजपा ने राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य और यूपीए सरकार में मंत्री रहे व कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए आरपीएन सिंह, भाजपा के आगरा के पूर्व महापौर नवीन जैन, गाजीपुर सदर की पूर्व विधायक संगीता बलवंत बिंद, मुगलसराय से पूर्व विधायक साधना सिंह और मथुरा के पूर्व सांसद तेजवीर सिंह को भी प्रत्याशी बनाया है। यूपी विधानसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या देखते हुए भाजपा के सभी प्रत्याशियों का राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होना तय है। बात जातीय गणित की कि जाये तो बीजेपी ने जातीय समीकरण साधने के लिए एक ब्राह्मण, एक वैश्य, एक ठाकुर और चार पिछड़ों (कुर्मी, मौर्य, जाट व बिंद) को प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी प्रत्याशी 14 फरवरी वसंत पंचमी के दिन नामांकन कर सकते हैं। बात समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों की कि जाये तो सूत्रों के अनुसार समाजवादी पार्टी अपनी तेजतर्रार राज्यसभा सदस्य रहीं जया बच्चन को फिर से राज्यसभा में भेज सकती है। इसके अलावा सपा के राष्ट्रीय महासचिव व पांच बार के सांसद रहे सलीम शेरवानी व मैनपुरी के पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को भी प्रत्याशी बनाये जाने की चर्चा तेज है। वैसे सपा के दो उम्मीदवारों के ही आसानी से जीत की संभावनाएं बताई जा रही हैं। 15 फरवरी को नामांकन का अंतिम दिन है। गौरतलब है कि राज्यसभा की खाली हो रही 10 सीटों में 9 भाजपा और एक सपा के पास हैं। जो ताजा समीकरण बन रहा है उससे बीजेपी का 07 सीटों पर जीतना तय माना जा रहा है। वहीं दो सीटों पर सपा की जीत निश्चित मानी जा रही है। एक सीट का पेंच फंसा है। बीजेपी इसे भी अपनी जेब में डालना चाहती है। राष्ट्रीय लोकदल के बीजेपी के साथ आने के बाद बीजेपी के लिये आठवीं सीट पर जीत की लड़ाई काफी आसान हो गई है। पिछले दो दिनों से रालोद के बीजेपी के साथ जाने को लेकर चर्चाएं तेज थीं। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के बाद तो अब रालोद मुखिया जयंत चौधरी भी कहने लगे हैं कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिये जाने के बाद अब बीजेपी को कैसे मना किया जा सकता है। पीएम ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। खास बात यह है कि कल तक जयंत चौधरी या रालोद की ओर से इस चर्चा का कोई समर्थन या खंडन नहीं किया गया था, लेकिन अब जयंत की भाषा बिल्कुल बदल गई है। जयंत के पाला बदलने से यूपी में 10 सीटों पर हो रहे राज्यसभा चुनाव का भी गणित बदलता दिख रहा है। राज्य सभा चुनाव के लिए विधानसभा के सदस्य वोटर होते हैं। इस समय विधानसभा की कुल सदस्य संख्या 399 है। राज्यसभा में निर्वाचित होने के लिए न्यूनतम वोट का जो फॉर्मूला है उसके हिसाब से इस बार एक सीट जीतने के लिए 37 विधायक की जरूरत होगी। इस हिसाब से मौजूदा स्थिति में भाजपा गठबंधन 7 और सपा गठबंधन 3 सीटें आसानी से जीतने की स्थिति में है, लेकिन यह तभी संभव था, जब रालोद का सपा के साथ गठबंधन बरकरार रहता। वोटों के गणित की बात की जाये तो एनडीए के पास इस समय सहयोगियों को मिला कर 277 वोट हैं। ऐसे में 37 का कोटा सबको

आवंटित करने के बाद उसके पास 18 वोट अतिरिक्त बचेंगे। जनसत्ता दल उच्च सदन के चुनाव में अब तक भाजपा के ही साथ रहा है। इसलिए इनके 2 वोट भी सत्ता पक्ष के साथ जाने तय हैं। ऐसे में भाजपा के पास 20 अतिरिक्त वोट होंगे। वहीं, विपक्षी गठबंधन के पास मौजूदा संख्या 119 विधायकों की है। कोटा आवंटित करने के बाद भी इस समय उनके पास 6 अतिरिक्त विधायक बचेंगे। अगर रालोद एनडीए के पाले में जाता है तो सपा गठबंधन के पास विधायकों की संख्या घटकर 110 हो जाएगी। सपा को अपना तीसरा उम्मीदवार जिताने के लिए 1 और विधायक की जरूरत होगी, जिसे तलाशना आसान नहीं तो मुश्किल भी नहीं होगा। रालोद को मिलाकर भाजपा के पास 29 अतिरिक्त वोट हो जाएंगे। अब अगर भाजपा अपना आठवां उम्मीदवार उतारती है तो फैसला दूसरी वरीयता के वोटों से होगा, जिसमें सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए संभावनाएं बढ़ जाएंगी। फिलहाल, भाजपा की ओर से 10 पर्चे खरीदे गए हैं।

अमृतकाल में जनजातीय समुदाय की आकांक्षाओं का हो रहा है सम्मान'

विष्णुदत्त शर्मा

आजादी का ये अमृतकाल, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का काल है। भारत की आत्मनिर्भरता, जनजातीय भागीदारी के बिना संभव ही नहीं है। भारत की सांस्कृतिक यात्रा में जनजातीय समाज का योगदान अटूट रहा है। गुलामी के कालखंड में विदेशी शासन के खिलाफ खासी–गारो आंदोलन, मिजो आंदोलन, कोल आंदोलन समेत कई संग्राम हुए। गोंड महारानी वीर दुर्गावती का शौर्य हो या फिर रानी कमलापति का बलिदान, देश इन्हें भूल नहीं सकता। वीर महाराणा प्रताप के संघर्ष की कल्पना उन बहादुर भीलों के बिना नहीं की जा सकती जिन्होंने कंधे से कंधा मिलाकर महाराणा प्रताप के साथ लड़ाई के मैदान में अपने–आप को बलि चढ़ा दिया था। हम इस ऋण को कभी चुका नहीं सकते, लेकिन इस विरासत को संजोकर, उसे उचित स्थान देकर, अपना दायित्व जरूर निभा सकते हैं। जिसकी दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।मई, 2014 में जब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने दायित्व संभाला, उसी दिन से जनजातीय समाज के उत्थान के प्रयास शुरू कर दिए थे। देश में 110 से अधिक जिले ऐसे थे, जो हर क्षेत्र में पिछड़े हुए थे। पहले की सरकार बस उनकी पहचान कर के छोड़ देती थी। मोदी जी की सरकार ने इन जिलों को आकांक्षी जिला घोषित किया। इन जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसे अनेक विषयों पर शून्य से काम शुरू करके सफलता के नए आयाम स्थापित किये। हाल ही में महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री जी ने कहा कि, ष्सबका साथ, सबका विकास सिर्फ एक नारा नहीं है, यह मोदी जी की गारंटी है।ष और निश्चित ही भारत सरकार आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए ष्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासष के आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके तहत आदिवासी समाज

आरक्षण पर एक जरूरी बहस

अजीत द्विवेदी

लोकसभा चुनाव से पहले जहां राजनीतिक स्तर पर आरक्षण की सीमा बढ़ाने या आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्था करने की होड़ मची है वहीं दूसरी ओर आरक्षण को लेकर एक बेहद जरूरी बहस सुप्रीम कोर्ट में हो रही है। सात–सदस्यीय अदालत अपने ही 20 साल पुराने एक फैसले पर सुनवाई कर रही है और समय की जरूरतों को देखते हुए उसे बदलने की संभावना पर विचार कर रही है। यह मसला अनुसूचित जाति के लिए निर्धारित आरक्षण के अंदर ज्यादा वंचित समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था से जुड़ा है। यह सिर्फ संयोग हो सकता है कि जिस समय पंजाब सरकार का यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए आया उससे ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच सदस्यों की एक कमेटी बनाई है, जो अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण की संभावना पर विचार करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय मडिगा समुदाय की मांग को स्वीकार करते हुए वादा किया था कि उनकी सरकार अनुसूचित जातियों के वर्गीकरण और उनमें ज्यादा वंचित समूहों को आरक्षण के अंदर तरजीह देने की व्यवस्था पर विचार करेगी। सो, एक तरफ सरकार ने वादा पूरा करते हुए कमेटी बनाई और दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने 20 साल पुराने एक फैसले पर सुनवाई शुरू कर दी। सुप्रीम कोर्ट का 20 साल पुराना फैसला यह प्रावधान करता है कि अनुसूचित जाति एक होमोजेनस यानी सजातीय समूह है, जिसके अंदर वर्गीकरण नहीं किया जा सकता है। ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश सरकार व अन्य के मामले में पांच जजों की बेंच ने 2004 में यह फैसला सुनाया था। अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात जजों की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बीआर गवई ने समय की जरूरत के हवाले आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था को लेकर कई अहम बातें कहीं हैं, जिनसे एक नई बहस शुरू हो गई है। यह एक सार्थक बहस है, जिस पर कोर्ट रूम से बाहर और राजनीतिक व सामाजिक स्पेस में भी चर्चा होनी चाहिए ताकि आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था की प्रत्यक्ष दिख रही कमियों को दूर किया जा सके।अगर संवैधानिक प्रावधानों की बात करें, तो उसे आधार बना कर एक पक्ष कहता है कि आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्था करना एक तरह का भेदभाव है, जो नहीं करना चाहिए। दूसरी ओर यह तर्क है कि संविधान सभी नागरिकों के लिए समानता की बात करता है फिर भी अन्य पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जाति व जनजातियों और गरीब सवर्णों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था कुछ लोगों के साथ भेदभाव करती है। फिर भी सुप्रीम कोर्ट के 1976 के एनएम थॉमस बनाम केरल सरकार के मामले में आए फैसले के बाद इस तरह का न्यायिक सिद्धांत विकसित हो गया है, जिसमें इस भेदभाव को समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं माना जाता है। देश के पिछड़े, दलित, आदिवासी और वंचित समूहों के लिए एफर्मेटिव एक्शन यानी सकारात्मक पहल के तहत आरक्षण की सुविधा दी गई है। माना गया कि ये समूह कुछ अन्य समूहों की तुलना में सामाजिक, शैक्षणिक या आर्थिक रूप से पिछड़े हैं इसलिए इनको अतिरिक्त सुविधा की जरुरत है। अगर इस तरह का वर्गीकरण संविधान प्रदत्त समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं करता है तो आरक्षण पाने वाले समूहों के अंदर वर्गीकरण करना और उनमें जो ज्यादा जरुरतमंद हैं उनके लिए अतिरिक्त व्यवस्था करना भी भेदभाव की श्रेणी में नहीं आएगा। समानता के सिद्धांत के बावजूद जिस तर्क से आरक्षण की व्यवस्था लागू है उसी तर्क से आरक्षण के अंदर आरक्षण की व्यवस्था भी लागू हो सकती है।

लेकिन इसके लिए सबसे पहले क्वांटिफायबल डाटा यानी ठोस आंकड़ों की जरुरत होगी। उससे पता चलेगा कि अनुसूचित जाति और जनजाति के अंदर किन जातियों को अब तक आरक्षण की व्यवस्था का सबसे ज्यादा फायदा मिला है और कौन सी जातियां अपनी सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक पृष्ठभूमि के चलते इससे वंचित रह गई हैं। सैद्धांतिक रूप से इस बात को समझने के लिए बहुत ज्ञानी होने की जरुरत नहीं है। जो जातियां शहर में हैं या जिन जातियों या परिवारों की पहली पीढ़ी को आरक्षण का लाभ मिला और उनकी स्थिति सुधर गई वे निश्चित रूप से ज्यादा लाभान्वित हुए और जो शुरुआत में ही पिछड़ गए, जो आज भी गावों व छोटे कस्बों में हैं या जंगलों के आसपास हैं वे इसके लाभ से वंचित रह गए। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति सिर्फ अनुसूचित जातियों या जनजातियों में ही है। यह स्थिति पिछड़ी जातियों में भी है और गरीब सवर्णों के आरक्षण में भी है। पिछड़ी जातियों में आरक्षण के लाभ से वंचित रह गई जातियों के अध्ययन के लिए भारत सरकार ने 2017 में जस्टिस जी रोहिणी की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया था। रोहिणी आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। आयोग ने मोटे तौर पर ओबीसी सूची की करीब 27 सौ जातियों को मिले आरक्षण के लाभ का अध्ययन किया है। इसने हैरान करने वाली बातें बताई हैं। इसके मुताबिक ओबीसी के लिए दिए गए 27 फीसदी आरक्षण का 97 फीसदी लाभ सिर्फ 25 फीसदी यानी करीब सात सौ जातियों को मिला है। बाकी 75 फीसदी यानी करीब दो हजार जातियां सिर्फ तीन फीसदी लाभ ले पाई हैं। उसमें भी 983 ओबीसी जातियां ऐसी हैं, जिनको आज तक आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिला है। यानी इतनी जातियों में आरक्षण के जरिए किसी को न तो सरकारी नौकरी मिली है और न किसी सरकारी संस्थान में दाखिला मिला है। सोचें, यह कितनी बड़ी खामी है? क्या इसका यह मतलब नहीं है कि पारंपरिक पृष्ठभूमि या आरक्षण ने जिन लोगों को सबल बनाया वे और मजबूत होते गए, जबकि एक बड़ा समूह न्यूनतम लाभ से भी वंचित रह गया? हालांकि अभी तक रोहणी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार ने आरक्षण के अंदर वर्गीकरण की व्यवस्था लागू नहीं की है। बिहार जैसे कुछ राज्यों में जरूर पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था में वर्गीकरण किया गया है लेकिन वहां भी जातियों की पहचान करके उनके लिए विशिष्ट तौर पर प्रावधान करने की जरुरत है।बहरहाल, जब पिछड़ी जातियों में शामिल 983 जातियां आरक्षण के किसी भी लाभ से वंचित है तो सोच सकते हैं कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों में ऐसी जातियों या उप जातियों की संख्या कितनी ज्यादा होगी? निश्चित रूप से कुछ चुनिंदा समूहों को इसका फायदा मिल रहा है और व्यापक समाज इसके लाभ से वंचित है। इसलिए केंद्र सरकार की पहल और सुप्रीम कोर्ट में चल रही बहस दोनों का स्वागत किया जाना चाहिए और उम्मीद करनी चाहिए कि यह पूरी बहस एक सार्थक नतीजे पर पहुंचेगी और आरक्षण की व्यवस्था तर्कसंगत बनेगी। अच्छी बात यह है कि पंजाब सरकार, केंद्र सरकार, बहस में शामिल अन्य वरिष्ठ वकील और माननीय जज भी इस बात को महसूस कर रहे हैं कि आरक्षण के अंदर जातियों की सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक स्थिति के अनुरूप वर्गीकरण करना और ज्यादा जरुरतमंदों को प्राथमिकता देना समय की जरुरत है। इसलिए इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए लेकिन आपत्ति की बात इस सिद्धांत के दूसरे पहलू को लेकर है, जिसका जिक्र सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस विक्रम नाथ ने और जस्टिस बीआर गवई ने किया और पंजाब के एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने भी किया। इन्होंने कहा है कि जिन लोगों को आरक्षण का लाभ मिल चुका है और जिनकी स्थिति बेहतर हो चुकी है वे आरक्षण से बाहर निकलें और सामान्य वर्ग के साथ प्रतिस्पर्धा करें। इसे लेकर आपत्ति उठाई जा रही है और अगर इसे लेकर कोई फैसला होता है तो उसका विरोध भी होगा। उसे आरक्षण छीनने की कोशिश बताया जाएगा। इसलिए इस संवेदनशील मामले को सरकार व संसद के ऊपर छोड़ देना चाहिए।

लेकिन अगर सुप्रीम कोर्ट 2004 के फैसले को पलट दे तो वह अपने आप में बड़ी बात होगी। ध्यान रहे पंजाब सरकार ने अनुसूचित और पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण के अपने 2006 के कानून में 50 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था की है, जिसमें वाल्मिकी और मजहबी सिखों को प्राथमिकता दी है। पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट ने इस कानून को 2004 के ईवी चिन्नैया केस के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बताते हुए खारिज कर दिया है। अब अगर सुप्रीम कोर्ट 2004 के फैसले को बदल देता है तो आरक्षण के अंदर वर्गीकरण का रास्ता साफ हो जाएगा। लेकिन इसके साथ ही यह निर्देश भी दिया जाना चाहिए कि केंद्र और राज्य अपने अपने स्तर पर इस बात का अध्ययन कराएं कि किन जातियों को ज्यादा लाभ मिला है और कौन सी जातियां या उप जातियां

बुद्धिमानी से ज्यादा मायने रखता है कि 'आप कितने अलग हैं'

1 फरवरी की रात को व्लॉगर नजरुद्दीन ने नर्सिंग की तैयारी कर रहे छात्र अखिल शिवादासन का केरल के कोच्चि में स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़ाई करते हुए वीडियो बनाकर ऑनलाइन पोस्ट किया। ये रील वायरल हो गई और एक हफ्ते के भीतर लाखों व्यूज मिले। आप सोच रहे होंगे कि इसमें ऐसा क्या था, जो इतनी देखी गई? यहां अखिल की कहानी है।

केरल में पलक्कड़ के रहने वाले अखिल ने कम उम्र में ही मां को खो दिया और पिता दूसरी शादी करके कहीं और बस गए। वह दादा–दादी के साथ बड़ा हुआ और बारहवीं के बाद तय किया कि जर्मनी जाकर नर्सिंग में करियर बनाएगा और अच्छा पैसा कमाएगा। पढ़ाई के साथ–साथ वह जर्मन भी सीख रहा था।

चूंकि उसके ऊपर दादा–दादी की जिम्मेदारियां और नर्सिंग का खर्च भी निकालना था, इसलिए उसने पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम नौकरी शुरू की और जोमैटो में काम करने लगा। चूंकि उसे पढ़ाई का अलग से वक्त नहीं मिलता, ऐसे में काम के दौरान अगले ऑर्डर का इंतजार करते हुए वो स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़ता। तब एक व्लॉगर ने उसे फिल्माया।

वीडियो वायरल होने के बाद कोच्चि की जर्मन सिखाने वाली संस्था आगे आई और अखिल की पढ़ाई का खर्च उठाने का वादा किया, जब तक कि उसे जर्मनी में नर्सिंग की नौकरी नहीं मिल जाती। याद रखिएगा, अखिल उन डिलीवरी बॉय के बीच अलग था जो डिलीवरी के लिए बाइक पर घूमते थे! अब केरल में त्रिवेंद्रम के निखिल शेरीन थाम्पी का उदाहरण लेते हैं। थाम्पी एडवांस्ड सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में मास्टर्स के लिए 2010 में ब्रिटेन गए और वहां स्थानीय चैरिटी गतिविधियों में हिस्सा लेना और रहवासी समितियों के साथ बातचीत करना शुरू कर दिया। 2020 में ब्रिटिश नागरिक बनने के बाद उन्होंने कंजर्वेटिव पार्टी से जुड़ना शुरू कर दिया। 2022 में वह ब्रिटेन में ओल्ड कॉल्सडन वार्ड का प्रतिनिधित्व करने वाले दूसरे मलयाली कंजर्वेटिव पार्टी काउंसिलर के रूप में चुने गए।

उन्हें पता था कि अखिल जैसे कई लोग हैं जो नए अवसरों की तलाश में यूरोप आते हैं और उनके अपने गृह राज्य से कई लोग नर्सिंग कर्मचारी के रूप में ब्रिटेन आते हैं। वह जानते थे कि छात्र शायद ही कभी योजना बनाते हैं और जब वे यूके जैसे देशों में आते हैं तो यहां की हकीकत जैसे रहने या जीवनयापन का खर्च देखकर सदमे में आ जाते हैं, जो कि उनके एजेंट्स के बताए अनुमान से कहीं ज्यादा होता है।

उन्हें अप्रवासी नीतियों, आश्रित अप्रवासी मुद्दों और यहां तक कि टेंट एग्रीमेंट जैसी आम चीजों का भी ठीक–ठाक पता नहीं होता। अवैध एजेंट अप्रवासियों से पैसा लेते हैं और नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए घरों में रखते हैं और फिर अप्रवासी हर तरह के दुख से गुजरते हैं, ये ब्रिटेन में बहुत आम है।

क्रॉयडन परिषद में कंजर्वेटिव पार्टी का एकमात्र माइग्रेंट काउंसिलर (वो भी पहली बार) होना थम्पी के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक रहा। आज ब्रिटेन में इस मलयाली काउंसिलर के पास माइग्रेशन के मुद्दों से लेकर इलाके के गड्ढों तक का काम है, जहां उनके राज्य के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं।

दुनिया में अखिल और निखिल जैसे कई लोग होंगे, जो अपने–अपने क्षेत्र में उतने ही बुद्धिमान होंगे लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि ऐसे चंद लोग ही होंगे जो कि बाकी लोगों से "अलग" होंगे। यही कारण है कि दुनिया उनके काम पर ध्यान देती है।

टीकटाक पर अमेरिका कर रहा गोलमाल ! बाइडेन ने पहली बार पोस्ट किया 26 सेकंड का वीडियो

टिकटॉक ने कहा है कि वह अमेरिकी उपयोगकर्ता डेटा को चीनी सरकार के साथ साझा नहीं करेगा और उसने अपने उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता की रक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं। कंपनी ने रविवार को टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का पुनरू चुनाव अभियान नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव से पहले युवा मतदाताओं तक पहुंचने के लिए टिकटॉक में शामिल हो गया है। हालाँकि, चीनी तकनीकी दिग्गज बाइटडांस के स्वामित्व वाला वीडियो–शेयरिंग प्लेटफॉर्म संभावित राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के कारण अमेरिका में समीक्षाधीन है। कुछ अमेरिकी सांसदों ने लंबे समय से इस चिंता के कारण ऐप पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है कि चीनी सरकार उपयोगकर्ता डेटा तक पहुंच सकती है या लोग ऐप पर जो देखते हैं उसे प्रभावित कर सकते हैं। पिछले साल, बाइडेन प्रशासन ने सरकारी एजेंसियों को संघीय सरकार के स्वामित्व वाले फोन और उपकरणों से टिकटॉक को हटाने का आदेश दिया था। टिकटॉक ने कहा है कि वह अमेरिकी उपयोगकर्ता डेटा को चीनी सरकार के साथ साझा नहीं करेगा और उसने अपने उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता की रक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं। कंपनी ने रविवार को टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। बाइडेन अभियान सलाहकारों ने एक बयान में कहा कि यह ष्मतदाताओं से मिलना जारी रखेगा जहां वे हैं, जिसमें मेटा प्लेटफॉर्म के इंस्टाग्राम और ट्रुथ सोशल

जैसे अन्य सोशल मीडिया ऐप शामिल हैं, जो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के स्वामित्व में हैं। अभियान के एक अधिकारी ने कहा कि अभियान अपने उपकरणों के लिए उन्नत सुरक्षा सावधानियां बरत रहा है और टिकटॉक पर इसकी उपस्थिति ऐप की चल रही सुरक्षा समीक्षा से अलग थी। राष्ट्रपति पद की दौड़ में रिपब्लिकन पार्टी के सबसे आगे चल रहे ट्रंप का टिकटॉक पर कोई आधि ाकारिक अकाउंट नहीं है। बाइडेन–हैरिस एचक्यू टिकटॉक अकाउंट द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो ने एक सीमांत रूढ़िवादी साजिश सिद्धांत पर प्रकाश डाला कि सुपर बाउल में चीफ्स के पक्ष में धांधली की गई थी।

पाकिस्तान नवाज शरीफ की पार्टी को पांच और नवनिर्वाचित निर्दलीय सांसदों का समर्थन मिला

हाल में हुए चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलने के बाद शरीफ गठबंधन सरकार बनाने के प्रयास कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी समर्थित निर्दलीय सांसद ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज का दामन थाम लिया था। लाहौर। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के पांच और नवनिर्वाचित निर्दलीय सांसदों ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएन–एल में शामिल होने का फैसला किया। हाल में हुए चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलने के बाद शरीफ गठबंधन सरकार बनाने के प्रयास कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी समर्थित निर्दलीय सांसद ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन)

का दामन थाम लिया था। कुल छह निर्दलीय सांसद पीएमएल–एन में शामिल हो चुके हैं। पीएमएल–एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने सोमवार को 'एक्स' पर लिखा कि एनए–189 सीट से सांसद सरदार शमशीर मजारी, पीपी–195 से निर्वाचित इमरान अकरम, पीपी–240 से निर्वाचित सोहेल खान, पीपी–297 के सांसद खिज्र हुसैन मजारी और पीपी–249 से नेशनल असेंबली के सदस्य साहिबजादा मोहम्मद गाजिन अब्बासी ने नवाज शरीफ से मुलाकात की। शहबाज ने लिखा कि सभी सदस्यों ने नवाज शरीफ के नेतृत्व में विश्वास जताया और पीएमएल (एन) में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा की। शहबाज शरीफ ने लिखा, आप पाकिस्तान को बेहतर बनाने और लोगों को परेशानियों से निजात दिलाने के कारवां का हिस्सा बन गए हैं।

कतर ने 8 भारतीयों को लौटाया, मोदी ने अचानक अपना प्लेन UAE से दोहा की ओर घुमाया

कतर से आठ भारतीय पूर्व नौसेना दिग्गजों की रिहाई पर विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि हम उनकी वापसी के लिए आभारी हैं। हम उन्हें रिहा करने के कतर सरकार और अमीर के फैसले की गहराई से सराहना करते हैं। हम उनमें से सात को पाकर खुश हैं। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि 14 फरवरी को अपनी यूएई यात्रा पूरी करने के बाद पीएम 14 फरवरी की दोपहर को दोहा कतर की यात्रा करेंगे। यात्रा के दौरान पीएम मोदी कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद और उच्च गणमान्य व्यक्तियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। कतर में यह प्रध ाानमंत्री की कतर की दूसरी यात्रा होगी। भारत और कतर के बीच मजबूत द्विपक्षीय व्यापार, वर्तमान में 20 बिलियन डॉलर है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उनके निमंत्रण पर, प्रधानमंत्री दुबई में आयोजित होने वाले वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट 2024 में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लेंगे और शिखर सम्मेलन में एक विशेष संबोधन देंगे। मंत्रालय ने बयान में कहा कि मोदी अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन भी करेंगे, साथ ही वह जायद स्पोर्ट्स सिटी में एक कार्यक्रम में संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित करेंगे। कतर से आठ भारतीय पूर्व नौसेना दिग्गजों की रिहाई पर विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि हम उनकी वापसी के लिए आभारी हैं। हम उन्हें रिहा करने के कतर सरकार और अमीर के फैसले की गहराई से सराहना करते हैं। हम उनमें से सात को पाकर खुश हैं। मोहन क्वात्रा ने कहा कि वे भारतीय नागरिक वापस आ गए। 8वें भारतीय नागरिक को भी रिहा कर दिया गया है और हम कतर सरकार के साथ काम करना जारी रखेंगे ताकि यह देखा जा सके कि उनकी भारत वापसी कितनी जल्दी संभव होगी। प्रधान मंत्री ने स्वयं इस मामले में सभी घटनाक्रमों की व्यक्तिगत रूप से लगातार निगरानी की है और भारतीय नागरिकों की घर वापसी सुनिश्चित करने वाली किसी भी पहल से कभी भी संकोच नहीं किया है।

नींद की आगोश में थे सभी, तभी गाजा के रफा में इजरायली हवाई हमला, मारे गए 37 लोग

हवाई हमलों से राफा में बड़े पैमाने पर दहशत फैल गई क्योंकि जब हमले शुरू हुए तो कई लोग सो रहे थे, निवासियों ने रॉयटर्स द्वारा चौट ऐप का उपयोग करके संपर्क किया। कुछ लोगों को डर था कि इजराइल ने रफा में अपना जमीनी आक्रमण शुरू कर दिया है। इजराइल ने एक विशेष बल अभियान शुरू किया, जिसने सोमवार तड़के हवाई हमलों के बीच राफा में दो इजरायली बंध ाकों को मुक्त कराया, स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि दक्षिणी गाजा शहर में 37 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। उन्होंने कहा कि बलों को हटाने की अनुमति देने के लिए हवाई हमला किया गया। हवाई हमलों से राफा में बड़े पैमाने पर दहशत फैल गई क्योंकि जब हमले शुरू हुए तो कई लोग सो रहे थे, निवासियों ने रॉयटर्स द्वारा चौट ऐप का उपयोग करके संपर्क किया।

कुछ लोगों को डर था कि इजराइल ने रफा में अपना जमीनी आक्रमण शुरू कर दिया है। निवासियों के अनुसार, इजरायली विमानों, टैंकों और जहाजों ने हमलों में भाग लिया, जिसमें दो मस्जिदें और कई घर प्रभावित हुए। इजरायली सेना ने सोमवार को कहा कि उसने दक्षिणी गाजा पर ष्हमलों की एक श्रृंखलाष की थी जो अब समाप्त हो गई है, बिना अधिक विवरण दिए। गाजा शहरों पर पिछले हमलों से पहले, इजराइल की सेना ने नागरिकों को कोई विशिष्ट निकासी योजना तैयार किए बिना छोड़ने का आदेश दिया था। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने रविवार को प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि इजराइल को वहां शरण लेने वाले लगभग 1 मिलियन लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विश्वसनीय योजना के बिना राफा में सैन्य अभियान शुरू नहीं करना चाहिए। सहायता एजेंसियों का कहना है कि रफा पर हमला विनाशकारी होगा। यह इजराइल के सैन्य आक्रमण से तबाह हुए इलाके में आखिरी अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थान है। बाइडेन और नेतन्याहू ने लगभग 45 मिनट तक बात की, जिसके कुछ दिनों बाद अमेरिकी नेता ने कहा कि गाजा पट्टी में इजरायल की सैन्य प्रतिक्रिया ष्शीर्ष परष थी और फिलिस्तीनी क्षेत्र में नागरिकों की बढ़ती मौत पर गंभीर चिंता व्यक्त की। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा है कि उसने सेना को राफा को खाली कराने और वहां तैनात चार हमास बटालियनों को नष्ट करने की योजना विकसित करने का आदेश दिया था। इजरायली आंकड़ों के अनुसार, हमास के उग्रवादियों ने 7 अक्टूबर को अपने हमले में दक्षिणी इजरायल में 1,200 लोगों की हत्या कर दी और कम से कम 250 लोगों का अपहरण कर लिया। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजराइल ने गाजा पट्टी पर सैन्य हमले का जवाब दिया है जिसमें 28,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

जिस देश में रहते हैं दुनिया के सबसे ज्यादा मुसलमान, वहां लोकतंत्र की बागडोर होगी किसके हाथ ?

14 फरवरी को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा लोकतंत्र नए नेता के लिए मतदान करेगा। पसंदीदा प्रबोवो सुबियांतो हैं बुरे मानवाधि ाकार रिकॉर्ड वाले पूर्व जनरल हैं।इंडोनेशिया के पास इसे एशिया के सबसे प्रभावशाली देशों में से एक बनाने के लिए सभी सही सामग्रियां उपलब्ध हैं। लेकिन राष्ट्रपति जोको विडोडो विदेश–नीति गुटनिरपेक्षता और अंतर्मुखी नीतियों की अपनी लंबी परंपरा पर कायम हैं। 14 फरवरी को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा लोकतंत्र नए नेता के लिए मतदान करेगा। पसंदीदा प्रबोवो सुबियांतो हैं बुरे मानवाधिकार रिकॉर्ड वाले पूर्व जनरल हैं। दो अन्य उम्मीदवार, अनीस बसवेडन और गंजार प्रणोवो, दोनों पूर्व गवर्नर, चुनाव में प्रबोवो से पीछे चल रहे हैं। 14 फरवरी को 205 मिलियन पात्र मतदाताओं के भाग लेने के साथ, इंडोनेशिया अपने सबसे परिणामी चुनावों में से एक के लिए तैयार है। निवर्तमान राष्ट्रपति जोको विडोडो की अनुपस्थिति ने प्रतियोगिता को बढ़ा दिया है, क्योंकि मतदाता मतदाताओं में युवा प्रभुत्व की पृष्ठभूमि के खिलाफ राष्ट्रपति पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। सर्वेक्षण का नेतृत्व पूर्व सैन्य जनरल प्रबोवो सुबियांतो कर रहे हैं, जिनका अभियान पिछले मानवाधिकार आरोपों से जूझते हुए जोकोवी की पहल के विपरीत निरंतरता का वादा करता है। जकार्ता के पूर्व गवर्नर अनीस बस्वेडन एक विपरीत व्यक्ति के रूप में सामने आते हैं, जो वैकल्पिक प्राथमिकताओं की वकालत करते हैं और यथास्थिति पर सवाल उठाते हैं। चुनाव के नतीजे आने वाले वर्षों के लिए

देश की दिशा तय करेंगे। चुनाव पर कुछ प्रमुख आंकड़े 204.8 मिलियन इंडोनेशियाई वोट डालने के पात्र हैं। इंडोनेशिया के इतिहास में हुए राष्ट्रपति चुनावों की संख्या 4 है। 20,616 पदों की संख्या तय की जानी है। विधान सभा चुनाव में 18 पार्टियां मैदान में हैं। 258602 कैंडिडेट रजिस्टर्ड हैं। इंडोनेशिया में मतदान की न्यूनतम आयु 17 वर्ष हैचुनाव के दिन मतदान केंद्र कितने घंटे खुले रहेंगे इसकी संख्या 6 है। 1.7 मिलियन इंडोनेशियाई विदेशों से मतदान कर सकते हैं। अकेले जावा द्वीप पर पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 115.4 मिलियन है। टेलीविजन पर राष्ट्रपति पद की पहली चार बहसों में से प्रत्येक के लिए दर्शकों की औसत संख्या 94 मिलियन है। संसद के निचले सदन में 580 सीटों पर कब्जा होना है।

1985 में निर्दलियों से बनी थी पूरी संसद, क्या पाकिस्तान में इतिहास दोहराने वाले हैं इमरान खान ?

1985 के चुनाव ऐसे चुनाव थे जिन्होंने संसदीय लोकतंत्र, पार्टियों, प्रशासन आदि की पूरी चुनावी प्रणाली को भ्रष्ट और क्षतिग्रस्त कर दिया था। पाकिस्तान के आम चुनाव नतीजों ने कई लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) और बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच दो–तरफा मुकाबले की राजनीतिक पंडितों की भविष्यवाणियों को खारिज कर दिया है। बाधाओं का सामना करने के बावजूद, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दौड़ में सबसे आगे हैं। पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली की 253 सीटों में से 92 पर जीत हासिल की है। डॉन के मुताबिक, नवाज शरीफ की पीएमएल–एन को 71 सीटें मिली हैं, जबकि पीपीपी 54 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर है। अभी एक दर्जन से ज्यादा सीटों के नतीजे नहीं आए हैं. पाकिस्तान में अनिश्चितता का माहौल है क्योंकि कोई भी पार्टी 133 के बहुमत के आंकड़े को नहीं छू रही है, जिससे गठबंधन सरकार का रास्ता साफ हो गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, गैर–लाभकारी चुनावी निगरानी संस्था फ्री एंड फेयर इलेक्शन नेटवर्क के अनुसार, जीतने वाले उम्मीदवारों में से लगभग 100 निर्दलीय हैं, जिनमें से 92 पीटीआई द्वारा समर्थित हैं। यह पहली बार नहीं है कि इतनी बड़ी संख्या में निर्दलीय पाकिस्तान की संसद के लिए चुने गए हैं। 1985 में, देश में गैर–पार्टी आम चुनाव हुए थे जिसमें प्रत्येक दावेदार ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता से चुनाव लड़ा था। खान ने एआई–जनरेटेड भाषण में दावा किया है कि

उसके संबद्ध उम्मीदवारों ने दो–तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है और धांधली शुरू होने से पहले 150 से अधिक सीटें जीत रहे थे। पीटीआई नेता बैरिस्टर गौहर खान को मीडिया को बताया कि पीटीआई ने 265 नेशनल असेंबली सीटों में से 170 सीटें जीती हैं, जहां चुनाव हुए थे। हम बड़े दावे के साथ दावा करते हैं कि फिलहाल, पीटीआई ने नेशनल असेंबली की 170 सीटों पर बढ़त हासिल कर ली है। गोहर ने कहा कि इनमें से 94 ऐसे हैं जिन्हें ईसीपी स्वीकार कर रहा है और फॉर्म–47 (अनंतिम परिणाम) जारी कर चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान प्रधानमंत्री के संबंध में निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को अभी गठबंध ान सहयोगियों पर निर्णय लेना बाकी है। 1985 में पाकिस्तान के गैर–पार्टी चुनावों पर एक नजर पाकिस्तान ने अपना दूसरा सैन्य तख्तापलट 5 जुलाई 1977 को देखा जब जनरल जिया–उल हक ने पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के तत्कालीन प्रध ाान मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के खिलाफ तख्तापलट किया। जबकि सैन्य नेता ने राष्ट्र को 90 दिनों के भीतर आम चुनाव कराने की कसम खाई थी, 1985 में ही जनरल जिया ने वह वादा पूरा किया। पाकिस्तान में चुनाव तो हुए लेकिन किसी भी राजनीतिक दल को भाग लेने की इजाजत नहीं दी गई. इसके लिए जिया ने 1973 के संविध ाान में संशोधन कर देश के शासन को संसदीय लोकतंत्र से अर्ध–राष्ट्रपति प्रणाली में बदल दिया। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, उन्होंने 8वें संशोध ान के माध्यम से चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंकने की शक्तियां भी खुद को दे दीं। पाकिस्तान ने 25 फरवरी 1985 को गैर–दलीय आधार पर चुनाव कराया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जिया का मानना ष्था कि इससे उनके लिए एक लोकप्रिय समर्थन आध ाार बनाने में मदद मिलेगी और राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिनिधि ायों को प्रभावित किए बिना संसद को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा। कुछ राजनीतिक दलों ने अपने नेताओं को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने की अनुमति दी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव के बाद, कुछ पार्टियों ने कई सीटों पर जीत का दावा किया क्योंकि उनके द्वारा समर्थित उम्मीदवार जीत गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1985 के चुनावों में संसद में जमींदार और व्यापारिक दिग्गजों के नए चेहरों का प्रवेश हुआ। डॉन से बात करते हुए पत्रकार वुसअतुल्लाह खान ने कहा कि जनरल जियाउल हक के समय में पूरी संसद निर्दलीयों से बनी थी। ये गैर–दलीय चुनाव दो कारणों से महत्वपूर्ण थे। एक, संसद को परिणामों के बाद राजनीतिक दल बनाने की अनुमति दी गई, जिससे दो–दलीय संसदीय प्रणाली का उदय हुआ। 1985 के बाद से पाकिस्तान का राजनीतिक परिदृश्य फला–फूला क्योंकि पीपीपी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग पाकिस्तानी मतदाताओं के बड़े हिस्से को अपने बैनर तले समायोजित करने में सक्षम थे। पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना को एहसास हुआ कि देश के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने के लिए उसे हमेशा तख्तापलट करने की जरूरत नहीं है। ऐसा लगता है कि वे इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि शनिगरानीश अधिपत्य से बेहतर है। 1985 के चुनावों के बारे में आलोचक क्या कहते हैं? पर्यवेक्षकों द्वारा श्पार्टीविहीनश चुनावों की अत्यधिक आलोचना की जाती है। वरिष्ठ पत्रकार ताहिर मेहदी ने डॉन को बतायारू 1985 के चुनाव ऐसे चुनाव थे जिन्होंने संसदीय लोकतंत्र, पार्टियों, प्रशासन आदि की पूरी चुनावी प्रणाली को भ्रष्ट और क्षतिग्रस्त कर दिया था। आज भी, चुनाव के बाद राजनीतिक दलों में शामिल होने वाले स्वतंत्र उम्मीदवारों की यह प्रथा... मूल कारण है यह बुराई 1985 के चुनाव में हुई थी। डॉ. हसन जफर ने द फ्राइडे टाइम्स के लिए अपने विश्लेषण में लिखा कि 1985 के बाद पैदा हुए राजनीतिक दल षकिसी भी लोकतांत्रिक संस्कृति से रहित थे।ष जो पहले अस्तित्व में थे – पीपीपी, पीएमएल, जेआई और एएनपी – वे भी बेदाग नहीं रह सके। अंतर–पार्टी चुनाव – यह सर्वविदित है – एक मजाक बन गया। इसके विपरीत, राजनीतिक दलों के भीतर राजवंशों का उदय हुआ, जिससे उनके काम करने के तरीके में राजनीतिक गिरोह नहीं तो परिवार शामिल हो गया। इन सबके सामने, लोकतंत्र लड़खड़ा गया और अर्थव्यवस्था चारोंखाने चित होने लगी।

अमेरिकी रक्षा मंत्री आस्टिन अस्पताल में भर्ती, अपने अधिकार उप रक्षा मंत्री को सौंपे

ऑस्टिन के दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने का पता चला था। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि ऑस्टिन को उनका सुरक्षा दस्ता दोपहर दो बजकर 20 मिनट के आसपास वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर ले गया। वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन को ''ब्लैडर (मूत्राशय) में समस्या'' से संबंधि ात लक्षणों के कारण रविवार को फिर से अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने यह जानकारी दी। ऑस्टिन के दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने का पता चला था। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि ऑस्टिन को उनका सुरक्षा दस्ता दोपहर दो बजकर 20 मिनट के आसपास वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर ले गया। ऑस्टिन की शुरू में

''अपने कार्यालय के कार्यों'' को पूरा करने की योजना थी, लेकिन रविवार शाम लगभग पांच बजे उन्होंने अपने अधिकार उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स को सौंप दिए। पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने बताया कि रविवार शाम तक ऑस्टिन अस्पताल में भर्ती थे। ऑस्टिन के स्वास्थ्य के बारे में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष के साथ–साथ व्हाइट हाउस और कांग्रेस को भी सूचित किया गया था। ऑस्टिन मंगलवार को यूक्रेन संपर्क समूह की बैठक आयोजित करने के लिए ब्रसेल्स के लिए प्रस्थान करने वाले थे। उन्होंने 2022 में रूस के आक्रमण के बाद कीव के लिए सैन्य समर्थन के समन्वय के वास्ते इस बैठक की योजना बनायी थी। उसके बाद ऑस्टिन के नाटो रक्षा मंत्रियों की एक नियमित बैठक में भाग लेने का कार्यक्रम था। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या ऑस्टिन के अस्पताल में भर्ती होने से इन योजनाओं में बदलाव आएगा।

ऑस्टिन को दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर का पता चला था और 22 दिसंबर को इसके इलाज के लिए उन्हें प्रोस्टेटक्टोमी नामक एक प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। बाद के सप्ताह में उनमें जटिलताएं पैदा हो गईं और एक जनवरी को अत्यधिक पीड़ा के कारण उन्हें एम्बुलेंस के जरिए द्वारा वाल्टर रीड ले जाया गया जहां उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया। ऑस्टिन 15 जनवरी तक वाल्टर रीड में रहे। फिर उन्होंने स्वस्थ्य लाभ लेते हुए घर से काम करना जारी रखा और वह 29 जनवरी को पेंटागन लौट आए।

नशे में धुत होकर बेहोश होने वाली घटना पर बोले ग्लेन मैक्सवेल, कहा- इसने मेरे परिवार को प्रभावित किया

अब खुद मैक्सवेल ने अपने बेहोश होने वाली घटना पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस घटना ने सबसे ज्यादा परिवार को प्रभावित किया। मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटिड प्रेस में कहा कि, मुझे लगता है कि इस घटना ने मुझसे ज्यादा मेरे परिवार को प्रभावित किया है। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पिछले महीने एडीलेड में नशे में धुत होने के बाद बेहोश हो गए थे। जिसके बाद उन्हें लेकर काफी हल्ला मचा था। इस दौरान उन्हें बेहोशी के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। दरअसल, मैक्सवेल की ये हालत देर रात पार्टी के बाद हुई थी। वह ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज गेंदबाज ब्रेट ली का सिक्स एंड आउट कंसर्ट देखते हुए शराब पी रहे थे। कप्तान पैट कमिंस भी उस कॉन्सर्ट में मौजूद थे। वहीं अब खुद मैक्सवेल ने अपने बेहोश होने वाली घटना पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस घटना ने सबसे ज्यादा परिवार को प्रभावित किया। मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटिड प्रेस में कहा कि, मुझे लगता है कि इस घटना ने मुझसे ज्यादा मेरे परिवार को प्रभावित किया है। मुझे पता था कि उस हफ्ते मेरी छुट्टी थी औ निश्चित रूप से ये घटना और इसका समय आदर्श नहीं था। उन्होंने कहा कि मैं फिर वापस आया और रनिंग शुरू की। जिम में वक्त बिताया, वापसी पर मुझे वास्तव में अच्छ और तरोताजा महसूस हुआ। मौजूदा टी 20 सीरीज और आने वाली सीरीज के लिए खुद को तैयार करने पर फोकस है। फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज में अभी तक ऑस्ट्रेलिया 2–0 से अजेय बढ़त बना चुका है। मैक्सवेल ने पहले मैच में एक विकेट लेने के अलावा 10 रन बनाए। वहीं उन्होंने दूसरे मुकाबले में तूफानी शतक लगाया। उन्होंने 55 गेंदों में 12 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 120 रन की पारी खेली।

सुरेश रैना फिर आएंगे पीली जर्सी में नजर, इस टीम का नेतृत्व करते आएंगे नजर

सुरेश रैना एक बार फिर पीली जर्सी में नजर आएंगे। दरअसल, वह इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग यानी IVPL के उद्घाटन सीजन से मैदान पर लौट रहे हैं। टी20 टूर्नामिंट के पहले सीजन में सुरेश रैन उत्तर प्रदर्श टीम का नेतृत्व करेंगे। ये टूर्नामेंट 23 फरवीर से 3 मार्च 2024 तक खेला जाएगा। भारतीय पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना एक बार फिर पीली जर्सी में नजर आएंगे। दरअसल, वह इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग यानी प्टच्स के उद्घाटन सीजन से मैदान पर लौट रहे हैं। टी20 टूर्नामिंट के पहले सीजन में सुरेश रैन उत्तर प्रदर्श टीम का नेतृत्व करेंगे। ये टूर्नामेंट 23 फरवीर से 3 मार्च 2024 तक खेला जाएगा।

रैना टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। रैन ने एक बयान में माई खेल के हवाले से कहा कि, मैं इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। मै वीवीआईपी उत्तर प्रदेश के लिए खेलूंगा। ये एक बार फिर बड़े नामों के साथ खेलने का मौका है। रजत भाटिया और डैन क्रिश्चियन को सुरेश रैना की टीम ने अपने साथ जोड़ा है। टीम देहरादून के राजीव गांधी स्टेडियम में अमिट छाप छोड़ना चाहेगी। वहीं

आईवीपीएल का आयोजन भारतीय अनुभवी क्रिकेट बोर्ड यानी बीवीसीआई द्वारा किया जा रहा है। जबकि इसका ब्रॉडकास्ट 100 स्पोर्ट्स पर किया जाएगा। टूर्नामेंट में वीरेंद्र सहवाह, मुनाफ पटेल, क्रिस गेल और हर्शल गिब्स भी हिस्सा लेंगे। बीवीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष और आईवीपीएल के अध्यक्ष प्रवीण त्यागी ने खुशी व्यक्त की है।

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज इयान चैपल का बयान, कहा- राजकोट टेस्ट में भारत के सामने कड़ी चुनौती

इयान चौपल ने अपने कॉलम में लिखा है कि, घरेलू टीम होने के नाते भारत को आखिर में इस मुश्किल सीरीज को जीतना चाहिए लेकिन उन्हें बचे हुए मुकाबलों में कड़ी चुनौती मिलेगी। साथ ही उन्होंने लिखा, '' इंग्लैंड की टीम जो रूट की अगुआई वाली टीम से बेहतर है '' आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चौपल को लगता है कि बेन स्टोक्स की अगुआई वाली इंग्लैंड की टीम बची हुई टेस्ट श्रृंखला में भारत को कड़ी टक्कर देगी लेकिन उन्होंने मेजबान टीम जीतने का समर्थन किया। भारत और इंग्लैंड इस समय पांच मैच की श्रृंखला में 1–1 से बराबरी पर हैं। चौपल ने 'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' के लिए अपने कॉलम में लिखा, ''घरेलू टीम होने के नाते भारत को आखिर में इस मुश्किल श्रृंखला को जीतना चाहिए लेकिन उन्हें बचे हुए मुकाबलों में कड़ी चुनौती मिलेगी। '' उन्होंने लिखा, ''स्टोक्स के आक्रामक नेतृत्व वाली इंग्लैंड की टीम जो रूट की अगुआई वाली टीम से बेहतर है जो पिछले दौरे पर स्पिन के आगे पस्त हो गयी थी। '' भारत के 2021 में पिछले दौरे पर इंग्लैंड की टीम रूट की अगुआई में पहला टेस्ट जीतने के बाद श्रृंखला गंवा बैठी थी। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली श्रृंखला का हिस्सा नहीं होंगे और बचे हुए तीन टेस्ट के लिए भारतीय टीम में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा की वापसी होगी। चौपल ने लिखा, ''भारत मजबूत टीम है और उनके पास रोहित शर्मा के

रूप में एक अच्छा कप्तान है। रविंद्र जडेजा और केएल राहुल के चोट से उबरकर वापसी करने से उनकी टीम मजबूत होगी लेकिन कोहली का बची हुई श्रृंखला में नहीं खेलना एक झटका है। '' उन्होंने लिखा, ''उम्मीद है कि चयनकर्ता अब श्रेयस अय्यर की बल्लेबाजी काबिलियत को ज्यादा महत्व देना बंद कर देंगे और कुलदीप यादव की विकेट झटकने की क्षमता को ज्यादा अहमियत देना सीखेंगे। '' चौपल ने लिखा, ''भारत बनाम इंग्लैंड श्रृंखला ऐसी ही जा रही है जैसे इसे जानी चाहिए थी। दो प्रतिभाशली टीम के बीच में कड़ा पांच मैच का मुकाबला। '' तीसरा टेस्ट 15 फरवरी से राजकोट में शुरू होगा।

गैर मौजूदगी में इंग्लैंड के पास टेस्ट श्रृंखला जीतने का सुनहरा मौका

विराट निजी कारणों से श्रृंखला से बाहर है जबकि भारत ने दूसरा टेस्ट जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1 . 1 से बराबरी कर ली है। ब्रॉड ने यहां को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' विराट किसी भी स्पर्धा को अपने जनून, आक्रामकता और बेहतरीन खेल से शानदार बना देते हैं। दर्शक उनका खेल देखने को आतुर रहते हैं। केपटाउन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि विराट कोहली का टेस्ट श्रृंखला में नहीं होना इस श्रृंखला और खेल के लिये अच्छा नहीं है लेकिन उनकी गैर मौजूदगी में इंग्लैंड के पास भारत को हराने का सुनहरा मौका है। विराट निजी कारणों से श्रृंखला से बाहर है जबकि भारत ने दूसरा टेस्ट जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1 . 1 से बराबरी कर ली है। ब्रॉड ने यहां को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' विराट किसी भी स्पर्धा को अपने जनून, आक्रामकता और बेहतरीन खेल से शानदार बना देते हैं। दर्शक उनका खेल देखने को आतुर रहते हैं। लेकिन निजी मसले हमेशा क्रिकेट से जुड़े मसलों से बड़े होते हैं।'' उनका मानना है कि विराट की गैर मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिये अपनी उपयोगिता साबित करने का सुनहरा मौका होगी। इंग्लैंड के लिये 167 टेस्ट में 604 विकेट ले चुके इस गेंदबाज ने कहा ,''जब महान खिलाड़ी

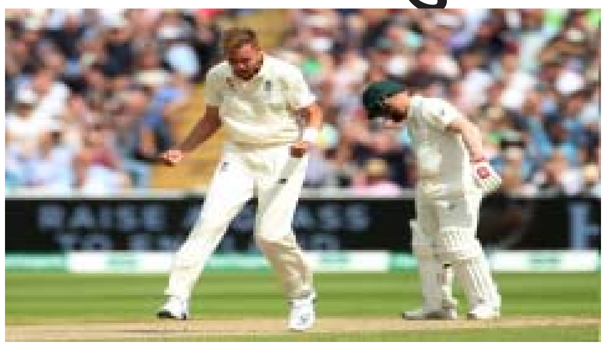

नहीं खेलते हैं तो युवाओं के लिये भी यह खुद को साबित करने का मौका होता है।हमने पिछले टेस्ट में देखा कि यशस्वी जायसवाल ने कैसे दोहरा शतक जड़ा। अगले तीन मैचों में कोई और खिलाड़ी भारत के लिये चमकेगा और हो सकता है कि वह इस लायक हो जाये कि जब विराट खेल को अलविदा कहें तो उनकी जगह ले सके।'' ब्रॉड का मानना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच यह सबसे प्रतिस्पर्धी श्रृखलाओं में से है और अगले तीन टेस्ट में इंग्लैंड के पास अच्छा मौका है। उन्होंने कहा ,''विराट के नहीं होने से बहुत कुछ बाकी खिलाड़ियों की फिटनेस पर निर्भर करेगा। विराट और इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों खासकर जिम्मी एंडरसन के बीच प्रतिद्वंद्विता काफी मशहूर रही है। यह क्रिकेट और इस श्रृंखला के लिये शर्मनाक है कि विराट नहीं खेल रहे हैं।'' उन्होंने कहा ,'' भारत ने पिछला टेस्ट जीता लेकिन इंग्लैंड की बैजबॉल शैली भारत में प्रभावी रही है। भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस और मौका भुनाने की इंग्लैंड की क्षमता पर अगले तीन मैच निर्भर करेंगे।'' उन्होंने नयी गेंद के अपने साथी रहे जिम्मी एंडरसन के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा ,''हमने दूसरे टेस्ट में देखा कि तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम रही है। जसप्रीत बुमराह ने भारत को मैच जिताया और जिम्मी ने उम्दा गेंदबाजी की। सभी को लगा था कि पिच स्पिन लेगी लेकिन तेज गेंदबाजों को अधिक सफलता मिली। शायद सुबह की नमी की वजह से।'' उन्हें नहीं लगता कि टी20 क्रिकेट के इस दौर में वह और एंडरसन तेज गेदंबाजी में आखिरी महान टेस्ट जोड़ी थी। उन्होंने कहा ,'' मुझे नहीं लगता कि हमारी जोड़ी आखिरी था लेकिन हम दोनों के लंबे कैरियर की वजह से हमने मिलकर जितने विकेट लिये हैं, उससे आगे निकलना मुश्किल होगा। लेकिन मेरा मानना है कि फिर से क्रिकेट को ऐसी कोई शानदार जोड़ी अगले कुछ साल में जरूरी मिलेगी। जसप्रीत बंमराह टेस्ट क्रिकेट में बहुत ही परिपक्व गेंदबाज हैं।'' ब्रॉड ने कहा ,'' मैं तेज गेंदबाजी की जोड़ियों को देखकर बड़ा हुआ हूं। कर्टनी वॉल्श और कर्टले एम्बरोज हो , वकार युनूस और वसीम अकरम या डेरेन गाफ और एंडी कैडिक हो। ऐसी ही एक जोड़ी जल्दी ही निकलेगी।'' उनका मानना है कि टेस्ट क्रिकेट के लिये ऐसी विंडो बन सकती है जिसमें सभी देश एक समय पर टेस्ट खेलें। उन्होंने कहा ,''टेस्ट क्रिकेट की बात ही अलग है। हैदराबाद में भारत और इंग्लैड के बीच पहला टेस्ट हो या गाबा पर वेस्टइंडीज की आस्ट्रेलिया पर जीत। दोनों शानदार मैच थे। मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट के दौर में टेस्ट क्रिकेट के लिये विंडो बन सकती है जब सभी टीमें एक समय पर खेलें। बच्चे इस पर बात करें और हाइलाइट देखें।'' अपने कैरियर में आईपीएल नहीं खेल सके ब्रॉड बतौर कमेंटेटर पहली बार लीग के दौरान यहां होंगे। उन्होंने कहा ,'' हर क्रिकेटर वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस को खेलते देखना चाहता है और मेरे लिये भी यह पहला अनुभव होगा जब मीडिया काम के सिलसिले में आईपीएल के दौरान मैं भारत में रहूंगा।

हम यहां आज क्यों... ससुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर सवाल से नाराज हुईं रिवाबा

जब रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा से ससुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर सवाल खिया गया, तो उनको काफी गुस्सा आ गया। जी के रिजनल चौनल जी 24 कलाक पर इसकी एक क्लिप शेयर की गई है जो की अब काफी वायरल हो रही है। पिछले हफ्ते टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी रविंद्र जडेजा अपने पिता के कारण चर्चा में रहे। उनके पिता अनिरुद्ध सिंह ने एक इंटरव्यू दिया और इस इंटरव्यू ने खलबली मचा दी। अनिरुद्ध ने अपनी बहू रिवाबा पर घर तोड़ने का आरोप लगाया और साथ ही कहा कि रविंद्र जडेजा और रिवाबा से उनकी कोई बातचीत नहीं होती है।

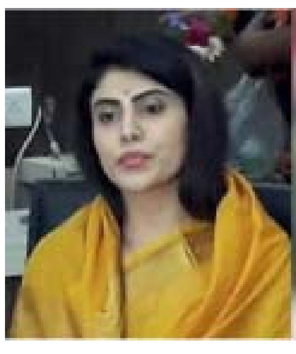

पिता के इंटरव्यू के वायरल होने के बाद रविंद्र जडेजा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने कहा कि कोई उनकी पत्नी की छवि खराब करना चाहता है। वहीं अब इन सबके बीच जब रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा से ससुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर सवाल खिया गया, तो उनको काफी गुस्सा आ गया। जी के रिजनल चौनल जी 24 कलाक पर इसकी एक क्लिप शेयर की गई है जो की अब काफी वायरल हो रही है। बीजेपी की विधायक हैं। इस वीडियो में रिवाबा से सवाल भी गुजराती में पूछा गया जिसका जवाब भी रिवाबा ने गुजराती में ही दिया। दरअसल, जब रिवाब से पूछा गया कि उनके ससुर ने जो आरोप लगाए हैं, उसके बारे में वह क्या कहेंगी, तो उनके चेहरे पर गुस्सा साफ झलक रहा था।

रिवाबा ने कहा कि, हम यहां क्यों हैं आज? अगर ये सब आपको जानना है तो मुझसे डायरेक्ट कॉन्ट्रैक्ट करिए। रविंद्र जडेजा की बात करें तो इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट मैच के दौरान रविंद्र जडेजा चोटिल हो गए थे। हालांकि, उनकी चोट को लेकर अपडेट नहीं है लेकिन उन्हें अंतिम तीन टेस्ट मुकाबलों के लिए स्क्वॉड में रखा गया है।

इशान किसन की बढ़ सकती है मुश्किल, रणजी ट्राफी ना खेलने वाले खिलाड़ियों से नाराज

उन क्रिकेटर्स को एक कड़ा संदेश भेजने की तैयारी में है जो इस समय ना तो टीम इंडिया का हिस्सा है और ना ही रणजी ट्रॉफी जैसे अहम घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। बोर्ड ऐसे खिलाड़ियों से काफी नाराज है और जल्द ही उनके लिए एक आदेश जारी कर सकता है। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम ईशान किशन का है। बीसीसीआई उन क्रिकेटर्स को एक कड़ा संदेश भेजने की तैयारी में है जो इस समय ना तो टीम इंडिया का हिस्सा है और ना ही रणजी ट्रॉफी जैसे अहम घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। बोर्ड ऐसे खिलाड़ियों से काफी नाराज है और जल्द ही उनके लिए एक आदेश जारी कर सकता है। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम ईशान किशन का है। ईशान ने साउथ अफ्रीका दौरे पर अचानक टीम मैनेजमेंट से ब्रेक की मांग की थी। इसके बाद वह लगातार क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड कह चुके हैं कि अगर किशन को टीम में वापसी करनी है तो उन्हें कुछ क्रिकेट खेलना होगा।

ज्यादा देर तक बैठकर काम करने वालों की टेंशन बढ़ा सकती है ये रिसर्च, मौत का रिस्क ज्यादा

अगर आप भी कुर्सी पर ज्यादा देर तक बैठकर काम करते हैं तो सावधान हो जाइए. एक रिसर्च में सामने आया है कि ज्यादा देर तक बैठने वालों को मौत का खतरा बाकी लोगों की तुलना में 16 प्रतिशत ज्यादा होता है. इसे 13 साल तक ज्यादा देर बैठने वालों पर शोध करने के बाद जारी किया गया है. आइए जानते हैं क्या कहता है रिसर्च... हार्ट अटैक का खतरा लगातार और ज्यादा देर तक बैठकर काम करने और कम चलने वालों को सतर्क हो जाना चाहिए,क्योंकि इस 4,81,688 लोगों पर हुए रिसर्च के बाद पता चला है कि ऐसे लोगों में कार्डियो वस्कुलर डिसीज यानी हार्ट डिजीज से मौत का खतरा बाकी लोगों की तुलना में 34 फीसदी ज्यादा होता है।. दूसरी बीमारियों से जान जाने का रिस्क 16 प्रतिशत तक पाया गया है. ये बीमारियां भी हो सकती हैं रिसर्च में बताया गया है कि चलने–फिरने से शरीर बुढ़ापे तक एक्टिव रहता है. लंबी

उम्र की एक ये भी वजह है कि ऐसे लोग चलना–फिरना खूब करते हैं. लगातार बैठे रहने से ब्लड शुगर, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा और कमर के आसपास चर्बी जमने का जोखिम ज्यादा रहता है. इससे कोलेस्ट्रॉल की समस्या हो सकती है और ये सभी मिलकर हार्ट की बीमारियां, यहां तक कि कैंसर का खतरा भी बढ़ा सकते हैं. महिलाएं ज्यादा रहें सावधान इस रिसर्च में पता चला है कि ऐसे लोग जो 8 घंटे से ज्यादा लगातार बैठकर काम करते हैं, उनकी सेहत पर स्मोकिंग जैसा खतरा रहता है. अगर पूरे दिन बैठकर फिर जिम जाकर पसीना बहाया जाए तो इससे डैमेज कंट्रोल नहीं हो सकता है. एक रिर्ट के अनुसार, मोटापा, कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर, इन्फ्लेमेशन जैसी खतरनाक बीमारियां महिलाओं में ज्यादा तेजी से फैल सकती हैं. इसलिए उन्हें अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए और ज्यादा देर तक बैठने से बचना चाहिए.

बिना नाखूनों को नुकसान पहुंचाए प्रेस–अश्वन नेल्स हटाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

प्रेस–ऑन नेल्स यानी नकली नाखून काफी चलन में हैं। यही वजह है कि मेकअप और कॉस्टमेटिक की दुकानों में अलग–अलग रंग और डिजाइन में ये नाखून उपलब्ध हैं।ये नाखून एक विशेष प्लास्टिक रेजिन से बने होते हैं और इन्हें लगाना आसान होता है, लेकिन इन्हें उतारते समय सावधानी बरतनी जरूरी है क्योंकि जरा–सी गलती आपके प्राकृतिक नाखूनों को नुकसान पहुंचा सकती है।आइए आज हम आपको घर पर प्रेस–ऑन नेल्स को हटाने के लिए कुछ तरीके बताते हैं।

एसीटोन लिक्विड

एसीटोन लिक्विड प्रेस–ऑन नेल्स की गोंद की पकड़ को ढीला करके इन्हें निकाल सकता है।लाभ के लिए सबसे पहले रूई के टुकड़ों को एसीटोन के लिक्विड से भिगोकर अपनी उंगलियों पर लपेटें , फिर इन पर एल्यूमीनियम फॉइल लपेटें।हालांकि, ध्यान रखें कि नाखूनों को ज्यादा देर तक एसीटोन के संपर्क में रखने की जरूरत नहीं है, इसलिए कुछ

मिनट बाद ही इसे हटा दें।इसके बाद नेल क्लिपर से प्रेस–ऑन नेल्स को हल्के हाथों से निकालें।नेल ड्रिलिंग मशीन

आमतौर पर प्रेस–ऑन नेल्स को फाइलिंग की जरूरत नहीं होती है और इन्हें हटाने के लिए नेल ड्रिलिंग मशीन का उपयोग करना बेहतर होता है।हालांकि, अगर आपके नकली नाखून स्फटिक या अन्य 3डी एक्सेंट गोंद से चिपकाए हुए हैं तो उन्हें नेल ड्रिल के साथ फाइलिंग करके हटाना आसान हो सकता है।हालांकि, इसका उपयोग करने से पहले किसी नाखून तकनीशियन से परामर्श जरूर लें।यहा जानिए नाखूनों को शेप देते समय होने वाली गलतियां।जैतून का तेल

जैतून का तेल आपकी त्वचा या उंगलियों को नुकसान पहुंचाए बिना प्राकृतिक नाखूनों से नकली नाखूनों को आसानी से हटा सकता है।लाभ के लिए कुछ रूई के टुकड़ों को जैतून के तेल में भिगोएं और इन्हें प्रत्येक नाखून पर लपेटें, फिर 10 मिनट के बाद नाखूनों से रूई हटाकर हल्के दबाव के साथ नकली नाखूनों को निकालें।ध्यान रखें कि ज्यादा जोर लगाने से असली नाखून भी टूट सकता है, इसलिए यह काम आराम से करें।

साबुन का पानी

साबुन का पानी भी प्रेस–ऑन नेल्स की गोंद को ढीला करके इन्हें आसानी से निकाल सकता है।लाभ के लिए एक कटोरे में गर्म पानी लें और उसमें बर्तन धोने वाला लिक्विड डालकर अच्छे से मिलाएं।अब अपने प्रत्येक हाथ को इस मिश्रण में 5 से 10 मिनट भिगोने के बाद

सतीश कौशिक की आखिरी फिल्म कागज 2 का ट्रेलर रिलीज, मनोरंजन के बीच छिपा है खास संदेश

पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म कागज को साल 2021 में दर्शकों और समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। वहीं, इसकी अगली कड़ी कागज 2 भी अपनी रिलीज को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। कागज 2 दर्शकों के लिए इस कारण भी खास है, क्योंकि इसमें दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक नजर आएंगे। फिल्म के उत्साह को बढ़ाने के लिए इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर को सोशल मीडिया पर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।कागज 2 में दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक के अलावा अनुपम खेर और नीना गुप्ता भी हैं। ट्रेलर देखकर साफ हो रहा है कि फिल्म 1 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वीके प्रकाश द्वारा निर्देशित और शशि सतीश कौशिक, रतन जैन और गणेश जैन द्वारा निर्मित, यह फिल्म सतीश कौशिक एंटरटेनमेंट एलएलपी और वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड का संयुक्त उत्पादन है।फिल्म पर बात करते हुए वीनस फिल्म्स के निर्माता रतन जैन ने कहा, सतीश जी के साथ मेरा जुड़ाव बहुत पुराना था। उन्होंने मेरी कंपनी के लिए एक फिल्म का निर्देशन किया और हमने

साथ में कई फिल्मों का निर्माण किया। कागज 2 उनके दिल में एक विशेष स्थान रखता है। यह मेरे प्रिय मित्र को एक श्रद्धांजलि है। रतन जैन ने जोड़ा, इस फिल्म से यह संदेश जाता है कि अपना रास्ता बनाने के लिए दूसरे का रास्ता न रोकें। राजनीतिक रैलियां और विरोध प्रदर्शन अक्सर ट्रैफिक जाम का कारण बनते हैं, जिससे आम लोगों को असुविधा होती है।

अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर ने कागज 2 के ट्रेलर को साझा करते हुए दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक के लिए एक हार्दिक नोट लिखा। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर को कैप्शन दिया, पेश है मेरे दोस्त सतीश कौशिक के जुनूनी प्रोजेक्ट कागाज 2 का ट्रेलर। ये सिर्फ मुद्दा नहीं, ये हर आदमी के इमोशन्स हैं। कागज 2 का निर्माण सतीश कौशिक एंटरटेनमेंट

विक्की कौशल ने शेयर किया आल इंडिया रैंक का जबरदस्त ट्रेलर, वरुण ग्रोवर के डायरेक्शन की है पहली फिल्म

बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल की फिल्म मसान (2015) का एक डायलॉग तो आपको याद ही होगा, जो काफी फेमस हुआ था. फिल्म मसान में विक्की कौशल ने कहा था, ये दुख काहे खत्म नहीं होता बे... इसे बोला विक्की ने था लेकिन लिखा वरुण ग्रोवर ने था. अब वरुण ग्रोवर के निर्देशन में बनी फिल्म ऑल इंडिया रैंक का ट्रेलर रिलीज किया गया है. विक्की ने ये ट्रेलर शेयर करते हुए अपने खास दोस्त वरुण ग्रोवर की तारीफ में कुछ बातें भी लिखी हैं और मसान का वो फेमस डायलॉग भी लिखा है. फिल्म ऑल इंडिया रैंक का ट्रेलर काफी जबरदस्त है.विक्की कौशल ने अपने करियर की शुरुआत मसान से ही की थी और उस फिल्म का स्क्रीनप्ले वरुण ग्रोवर ने किया था. विक्की और वरुण की दोस्ती उसी समय की है और फिल्म ऑल इंडिया रैंक का ट्रेलर शेयर करके विक्की ने दोस्ती निभाई है. अब चलिए आपको फिल्म का ट्रेलर दिखाते हैं और इस फिल्म के बारे में कुछ बातें बताते हैं.विक्की कौशल ने फिल्म ऑल इंडिया रैंक का ट्रेलर रिलीज किया है. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हम दोनों इंजीनियर का सिनेमा की दुनिया में सफर लगभग साथ ही शुरू हुआ, मसान के साथ...साला ये दुख काहे खत्म नहीं होता बे. ..ये लाइन कई सालों पहले वरुण ग्रोवर ने ही लिखी थी और उसमें उनकी फिल्मोग्राफी लाजवाब थी. मैं बहुत खुश हूं और ऑल इंडिया रैंक का ट्रेलर शेयर करते हुए गर्व महसूस कर रहा हूं. वरुण का निर्देशन में ये डेब्यू है जिसकी मैं शुभकामनाएं देता हूं. चमकते रहो मेरे भाई और पूरी टीम को इसकी शुभकामनाएं.अगर फिल्म ऑल इंडिया रैंक की बात करें तो इसमें एक मिडिल क्लास फैमिली की कहानी को दिखाया गया है. एक मिडिल क्लास दंपत्ति का एक ही बेटा होता है जो 17 साल का हो गया है और उसे आईआईटी क्रैक करने के लिए बड़े शहर भेजा जाता है. उस 17 साल के बच्चे पर माता–पिता की उम्मीदों का पहाड़ है लेकिन उसकी

अपनी भी कुछ इच्छाएं हैं. इसी सफर में उसे प्यार भी हो जाता है. अब वो लड़का आईआईटी पास करता है या आगे क्या होना है ये जानने के लिए आपको फिल्म ऑल इंडिया रैंक देखना होगा.वरुण ग्रोवर ने फिल्म ऑल इंडिया रैंक की कहानी लिखी है और इसका निर्देशन भी किया है. राइटर वो पहले से हैं लेकिन निर्देशन की दुनिया में ये उनका पहला कदम है. फिल्म में बोधिसत्व शर्मा ने लीड रोल प्ले किया है. वहीं फिल्म में शीबा चड्ढा, गीता अग्रवाल शर्मा, शशि भूषण और शमता सुदिक्षा जैसे सितारे नजर आएंगे. अगर फिल्म की रिलीज की बात करें तो ये 23 फरवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. कम बजट की फिल्मों में जब आम जीवन से जुड़ी कहानियोंको पिरोया जाता है तो वो फिल्में हमेशा बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करती हैं बाकी फिल्म रिलीज होने के बाद ही पता चलेगा कि ये हिट होगी या सुपरहिट.

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने वीकेंड पर मचाया तहलका! दूसरे दिन ही बढ़ा शाहिद कपूर–कृति सेनन की फिल्म का कलेक्शन

शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 9 फरवरी को थिएटर में रिलीज हुई है. वैलेंटाइन वीक में रिलीज हुई इस रोमांस कॉमेडी फिल्म को फैंस पसंद कर रहे हैं. फिल्म की कमाई में दूसरे दिन उछाल देखने को मिला है.

रिपोर्ट के मुताबिक, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया ने इंडिया में दूसरे दिन 9.5 करोड़ की कमाई की है. हालांकि, फिल्म की कमाई को लेकर अभी तक ऑफिशियल आकंड़े सामने नहीं आए हैं. अगर फिल्म ने दूसरे 9.5 करोड़ की कमाई की है तो फिल्म का अभी तक का टोटल कलेक्शन 16.52 करोड़ हो गया है.

बता दें कि फिल्म ने पहले दिन भी ठीक–ठीक कमाई की थी. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी ने पहले दिन 7.02 करोड़ की कमाई की थी और खबरें थी कि दूसरे दिन फिल्म की कमाई में इजाफा देखने को मिलेगा.

फिल्म की बात करें तो इसमें लीड रोल में शाहिद कपूर और कृति सेनन हैं. इस फिल्म में कृति सेनन इस बार अलग अंदाज में दिख रही हैं. वो पहली बार रोबोट के रोल में नजर आ रही हैं. वहीं शाहिद लवर बॉय के रूप में हैं. फिल्म की कहानी कुछ ऐसी है कि शाहिद कपूर एक रोबोट यानी कृति सेनन के प्यार में पड़ जाते हैं और शादी करना चाहते हैं. जब शाहिद को ये पता चलता है कि कृति एक रोबोट है, उसके बाद उनके होश उड़ जाते हैं. फिल्म में शाहिद कपूर और कृति सेनन का रोमांटिक अंदाज देखने को मिल रहा है.

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया को मैडॉक फिल्म ने प्रोड्यूस किया है. इस फिल्म को अमित जोशी और आराधना साह ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में धर्मेंद्र और डिंपल कपाडिया जैसे स्टार्स भी हैं. फिल्म को फैंस से मिले जुले रिव्यूज मिले हैं.

हाल ही में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कृति ने धर्मेंद्र संग काम करने को लेकर रिएक्ट किया था. कृति ने कहा था– धर्मेंद्र बहुत लविंग हैं. जिस तरह से वो आपसे मिलते हैं, आपके सिर पर अपना हाथ रखते हैं. जिस दिन उन्हें अपना कॉस्टयूम पसंद आता था तो वो उसमें एक सेल्फी लेकर अपने बेटे सनी और बॉबी को भेजते थे. फिर उनके बेटे उन्हें वॉइस नोट भेजते थे कि पापा आप अच्छे लग रहे हैं.

फाइटर ने फिर से पकड़ी स्पीड, 17वें दिन कमाई में आया इतना उछाल

ऋतिक रोशन की फाइटर फिल्म को लेकर जिस बात की उम्मीद की जा रही थी आखिरकार वही हुआ। वीकेंड पर फाइटर के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में उछाल में उम्मीद थी और वो होता हुआ भी नजर आया है।

फिल्म के कारोबार में एक बार फिर से बढ़त्तरी देखने को मिली है। आइए जानते हैं कि रिलीज के 17वें इस एरियल एक्शन थ्रिलर कितने करोड़ का कारोबार किया है।चूंकि पिछले कई दिनों से फाइटर की कमाई का ग्राफ हर रोज नीचे की तरफ गिरता हुआ नजर आया है। ऐसे में ट्रेड एनालिस्ट के मुताबिक शनिवार और रविवार के दिन इसके कलेक्शन में हाइक देखने को मिलेगा। इस आधार पर ऋतिक रोशन की फाइटर का ग्राफ अब ऊपर की तरफ बढ़ चला है और फिल्म ने शनिवार को ठीक–ठाक कलेक्शन कर लिया।सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक इस मूवी ने 10 फरवरी को करीब 3.7 करोड़ की कमाई की है। जिसके चलते मूवी के टोटल कलेक्शन में काफी इजाफा हुआ है। शनिवार की कमाई को जोड़ते हुए अब फाइटर का इंडिया नेट बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन 193 करोड़ हो गया है। अगर रविवार को भी ऋतिक रोशन की इस मूवी ने कलेक्शन के मामले में हुंकार भरी तो यकीनन तौर पर ये फिल्म 200 करोड़ के क्लब में एंट्री लेती हुई भी नजर आ सकती है।शाहरुख खान की मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान बनाने वाले डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने ही फाइटर का निर्देशन किया है। इससे पहले सिद्धार्थ वॉर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म भी बना चुके हैं। लेकिन पिछली दो फिल्मों की तुलना में फिल्ममेकर की फाइटर कमाई के मामले में उतना धमाकेदार प्रदर्शन नहीं कर पाई है। जहां एक तरफ पठान ने 543 करोड़ और वॉर 318 करोड़ का कारोबार किया, उसके हिसाब से फाइटर काफी पीछे छूटती दिख रही है।

रजनीकांत पर भारी पड़े रवि तेजा, लाल सलाम ने ईगल के सामने टेके घुटने, 2 दिनों में कमा डाले इतने करोड़

इस शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर साउथ की दो बड़ी फिल्मों का आमना–सामना हुआ है. एक तरफ जहां साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म लाल सलाम रिलीज हुई, तो दूसरी तरफ रवि तेजा स्टारर ईगल ने दस्तक दिया. ये दोनों ही फिल्में 9 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई हैं. वैसे तो किसी भी फिल्म को हिट करवाने के लिए रजनीकांत का नाम ही काफी होता है. लेकिन इस बार रवि तेजा रजनीकांत पर भारी पड़ चुके हैं. जी हां, कमाई के मामले में रवि तेजा की फिल्म लाल सलाम से काफी आगे है. इन दोनों फिल्मों के दूसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ चुका है. तो आइए जानते हैं कि रिलीज के सेकेंड डे पर किसने कितनी कमाई की...

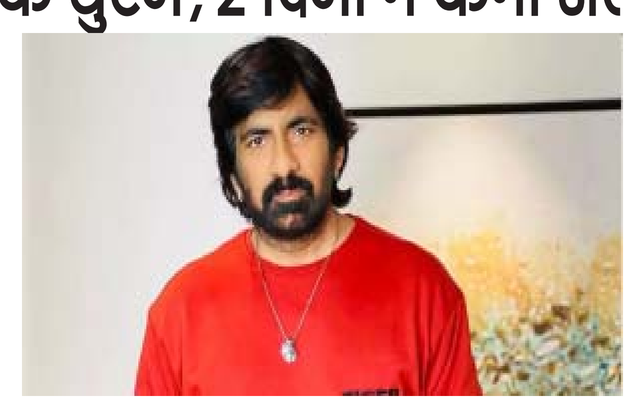

रजनीकांत की फिल्म लाल सलाम की बात करें तो फिल्म ने ओपनिंग डे पर 3.55 करोड़ का कलेक्शन किया. सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के मुताबिक, वहीं रिलीज के दूसरे दिन मूवी ने करीब 3 करोड़ का कारोबार किया. वहीं फिल्म के दो दिनों का कुल कलेक्शन 6.55 करोड़ हो गया. बता दें कि लाल सलाम एक एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसे रनजीकांत की बेटी ऐश्वर्या ने डायरेक्टर किया है. इस फिल्म को भाषाओं रिलीज किया गया है, जिसमें विष्णु विशाल और विक्रांत लीड किरदार में हैं. वहीं फिल्म में रजनीकांत भले ही कैमियो रोल में हैं, लेकिन उनका किरदार काफी प्रभावशाली है.

रवि तेजा की तेलुगु एक्शन थ्रिलर ईगल को लेकर दर्शकों के बीच गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है. फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहे हैं. यही वजह है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है.

ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने 6.2 करोड़ की शानदार कमाई की. वहीं अब शनिवार का कलेक्शन भी सामने आ गए है. सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के मुताबिक ईगल ने दूसरे दिन पर 4.75 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया. कुल मिलाकर रवि तेजी की फिल्म ने दो दिनों में कुल 10.95 करोड़ की कमाई कर ली है. इस लिहाज से ईगल बॉक्स ऑफिस पर रजनीकांत की फिल्म से काफी आगे चल रही है.

विदिशा श्रीवास्तव ने वैलेंटाइन डे के लिए तैयार किया रोमांटिक प्लान, पति को देंगी बड़ा सरप्राइज

अभिनेत्री विदिशा श्रीवास्तव ने इस साल वेलेंटाइन डे के लिए अपने पति के लिए एक शानदार रोमांटिक योजना बनाई है, जिसमें एक आरामदायक कैंडललाइट डिनर भी शामिल है।

अपने सरप्राइज प्लान के बारे में बात करते हुए सिटकॉम भाबीजी घर पर हैं में अनीता भाबी का किरदार निभाने वाली विदिशा ने कहा, हालांकि हम रोजाना प्यार को गले लगाते हैं, लेकिन यह वेलेंटाइन डे अतिरिक्त महत्व रखता है क्योंकि यह माता–पिता के रूप में हमारा पहला दिन है। मैंने एक शानदार रोमांटिक प्लान बनाया है। इस वर्ष सयाक के लिए योजना बनाएं। मेरे लिए, वेलेंटाइन डे शहर को लाल रंग में रंगने के बारे में है!

वे कहते हैं कि एक आदमी के दिल का रास्ता उसके पेट से होकर गुजरता है, और शांत संगीत और आरामदायक माहौल के साथ छत के रेस्तरां में मोमबत्ती की रोशनी में रात्रिभोज से बेहतर कुछ नहीं है। शूटिंग और हमारे बच्चे आद्या की देखभाल के व्यस्त दिन के बावजूद, मैं सयाक को आश्चर्यचकित करना चाहता हूं एक अविस्मरणीय तारीख के साथ, उसने साझा किया। मेरी गुडिया फेम अभिनेत्री ने कहा, इसके अलावा, चूंकि यह दिन हर रूप में प्यार का जश्न मनाने के बारे में है, आइए उन लोगों को स्वीकार करने के लिए रुकें जो हमारे

जीवन में गर्मजोशी लाते हैं और हमारे आसपास के लोगों के साथ प्यार साझा करते हैं।शो का आगामी ट्रैक विभूति (आसिफ शेख) के इर्द–गिर्द घूमेगा, जो खुद को दिवास्वप्न में खोया हुआ पाता है, जहां वह अंगूरी (शुभांगी अत्रे) के साथ वेलेंटाइन डे मना रहा है। अपनी कल्पना में, अंगूरी उसके प्रति अपने प्यार का इजहार करती है। हालाँकि, हकीकत में अंगूरी से मिलने पर, विभूति ने वेलेंटाइन डे के लिए उसकी योजनाओं के बारे में पूछा। वह लड्डू के भैया (रोहिताश्व गौड़) से उसे कुल्लू मनाली ले जाने के लिए कहना चाहती है। उसकी योजनाओं को विफल करने और खुद अंगूरी के साथ दिन बिताने के लिए दृढ़ संकल्पित, विभूति एक योजना तैयार करता है। इस बीच, तिवारी वैलेंटाइन डे के लिए उसकी योजनाओं के बारे में पूछताछ करने के लिए अनीता (विदिशा श्रीवास्तव) से मिलने जाता है। अनीता मानती है कि विभूति ने उसके लिए कुछ योजना बनाई है, लेकिन तिवारी इस विचार का मजाक उड़ाते हैं, यह सुझाव देते हुए कि विभूति को शायद यह अवसर याद भी नहीं है।

तिवारी की टिप्पणियों से आहत होकर, अनीता ने उन्हें शर्त लगाने की चुनौती दी। जब तिवारी का सामना विभूति से होता है, तो वह एक कहानी गढ़ता है, जिसमें दावा किया जाता है कि अनीता वेलेंटाइन डे के लिए हीरे का हार चाहती है, जिससे विभूति को बहुत परेशानी होती है। दबाव को कम करने के लिए, तिवारी विभूति को आगामी वेलेंटाइन डे के बारे में अज्ञानता दिखाने की सलाह देते हैं।

जब अंगूरी तिवारी से उसे कुल्लू मनाली ले जाने का अनुरोधा करती है, तो वह अपने व्यवसाय में वित्तीय घाटे का सामना करने के बारे में एक कहानी गढ़ता है, जिससे वह उसका अनुरोध पूरा नहीं कर पाता है। मार्गदर्शन की तलाश में, अंगूरी डेविड चाचा (अनूप उपाध्याय) से बात करती है, जो सुझाव देते हैं कि वह विंटेज टीवी पर आने वाले एक संत से मिलने जाएं। संभावना से उत्साहित अंगूरी उत्सुकता से सहमत हो जाती है। संत के भेष में, विभूति अंगूरी को सलाह देती है कि वह अपने पड़ोसी से उसका वैलेंटाइन बनने के लिए कहे, और उसे आश्वासन दे कि इससे उसके पति की व्यावसायिक समस्याओं का समाधान हो जाएगा। सलाह के बाद, अंगूरी विभूति के पास जाती है और उससे डेट के लिए पूछती है। इस बीच, तिवारी गुमनाम रूप से अनीता को पत्र और उपहार भेजता है।

अंकिता लोखंडे ने रिवीलिंग बैकलेस गाउन में दिखाया किलर अंदाज, अदाओं ने बढ़ाई फैंस के दिलों की धड़कनें!

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बिग बॉस 17 के खत्म होने के बाद से ही लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं. बेशक अंकिता शो की ट्रॉफी अपने नाम न कर पाई हों, लेकिन उन्होंने देशभर के कई लोगों का दिल जरूर जीता. इन दिनों एक्ट्रेस लगातार पार्टीज कर रही हैं. वहीं, उनके कई स्टाइलिश लुक्स भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं. इसी बीच अब अंकिता ने फिर से अपने चाहने वालों के दिलों की धड़कनें बढ़ाते हुए अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं.अंकिता ने कुछ देर पहले ही अपना नया लुक शेयर किया है. इसमें वह इलैक्टिंग ब्लू शेड का बैकलेस थाई हाई स्लिट रिवीलिंग गाउन पहने हुए नजर आ रही हैं.अंकिता ने अपने इस लुक को सटल शिमरी बेस, न्यूड शाइनी लिस्ट और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. इसके साथ उन्होंने बालों को ओपन रखा है. एक्ट्रेस इन फोटोज में बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश दिख रही हैं.इस आउटफिट के साथ अंकिता ने एक्सेसरीज के तौर पर कानों में डायमंड ईयररिंग्स पहने हैं. एक्ट्रेस ने अपने इस किलर लुक को कैमरे के सामने खूब फ्लॉन्ट करते हुए पोज दिए हैं. अब फैंस की नजरें उनके इस ग्लैमरस लुक पर टिकी रह गई हैं. कुछ मिनटों में ही अंकिता के लुक पर हजारों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते ही जा रहे हैं. बता दें कि अंकिता इस लुक में बिग बॉस की रीयूनियन पार्टी में शरीक होने के लिए पहुंची थीं, जहां उन्होंने जमकर मस्ती की. दूसरी ओर अंकिता के वर्क फ्रंट की

सनफ्लावर 2 में अदा शर्मा निभाएंगी डरावनी बार डांसर की भूमिका

अभिनेत्री अदा शर्मा सनफ्लावर के दूसरे सीजन में एक करिश्माई बार डांसर की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन?होंने अपनी डरावनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की। विकास बहल द्वारा निर्मित और नवीन गुजराल द्वारा निर्देशित इस शो में सुनील ग्रोवर मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ आशीष विद्यार्थी, रणवीर शौरी, मुकुल चड्ढा और गिरीश कुलकर्णी भी प्रमुख भूमिका में हैं। कहानी में एक रोमांचक मोड़ जोड़ते हुए, दूसरे सीजन में अदा को एक बार डांसर के रूप में पेश किया गया है, और उनकी एंट्री शो में एक नई गतिशीलता जोडने का वादा करती है। अपनी भूमिका रोजी के बारे में बात करते हुए अदा ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे अभी तक अपने किरदार के पेशे के बारे में कुछ भी बताने की अनुमति है या नहीं। यह रहस्य को दूर कर सकता है। लेकिन, मैं एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रही हूं जो दुष्ट है, फिर भी प्यारा है, वह डरावनी भी है। भूमिका की तैयारी के लिए मैंने सिलसिलेवार हत्यारों और मनोरोगियों पर बहुत सारी वृत्तचित्र भी देखें। अभिनेत्री ने कहा, यह भूमिका निश्चित रूप से शालिनी से बहुत अलग होगी। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि निर्माता मुझे विभिन्न भूमिकाओं में देख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, एक अभिनेत्री के रूप में मैंने रोजी का किरदार पढ़ा और मैं बहुत उत्साहित थी कि विकास बहल और चौताली ने एक ऐसी लड़की के लिए किरदार लिखा है,

रिवाल्वर कारतूस सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे पुलिस अधीक्षक देवरिया द्वारा अपराध की रोक थाम एवं अपराधियो के विरुद्ध अभियान के तहत थाना श्रीरामपुर पुलिस को दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी मय हथियार व बरामदगी में सफलता प्राप्त हुई है। इस हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना श्रीरामपुर पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना पर पड़री बाजार पुलिया के पास से 02 व्यक्तियों अभिषेक सिंह उर्फ गोलू पुत्र सुर्यभान सिंह उम्र करीब 23 वर्ष निवासी रहीमपुर थाना श्रीरामपुर जनपद देवरिया व रितिक पासवान पुत्र जितेन्द्र पासवान उम्र करीब 19 वर्ष निवासी कड़सरवा खुर्द थाना श्रीरामपुर जनपद देवरिया को एक रिवाल्वर 32 बोर चालू हालत व दो 32 बोर जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार करते हुए स्थानीय थाना श्रीरामपुर पर मु0अ0स0–037ध्2024 धारा 3ध्25 आर्मस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई है।गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण उ0नि0श्री अनिल कुमार तिवारी थाना श्रीरामपुर जनपद देवरिया ,उ0नि0 श्री दीपक सिंह चौकी प्रभारी भवानीछापर थाना श्रीरामपुर जनपद देवरिया,का0बृजभान यादव थाना श्रीरामपुर जनपद देवरिया ,का0अभिषेक यादव थाना श्रीरामपुर जनपद देवरिया सामिल रहे।

देवरिया महोत्सव का हुआ समापन

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे देवरिया के चीनी मिल ग्राउण्ड में 04 फरवरी से चल रहे देवरिया महोत्सव का सोमवार को समापन हो गया। आयोजित समापन समारोह में जनपद के प्रभारी मंत्री एवं परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह मुख्य अतिथि के रुप में शामिल रहे तथा पूर्जन अर्चन के साथ समापन किया गया।इस अवसर पर प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि 04 फरवरी से प्रारम्भ हुआ देवरिया महोत्सव आज 12 फरवरी को पूरे वैदिक रीति रिवाजो, मंत्रों उच्चारण व हवन के साथ इसका समापन हुआ है। इस महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को अवसर मिला और साथ साथ राष्ट्रीय स्तर के भी कलाकार प्रतिदिन यहां आते रहे एवं यहां के लोगो को मनोरंजन भी हुआ। प्रदेश व केन्द्र सरकार की विकास की योजनायें लोगो को इस महोत्सव के माध्यम से जानकारी दी गयी। जनपद देवरिया मे जो विकास हुआ है, उसकी भी एक झलक महोत्सव में दिखाई गयी। महोत्सव में पूरे जनपद के लोग शामिल हुए। यहां के अधिकारियों ने बहुत ही मेहनत करके इस महोत्सव के आयोजन को सफल बनाया। उन्होंने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को बधाई देते हुए कहा कि 11 फरवरी को महोत्सव में राम दरबार कार्यक्रम एवं आज समापन के अवसर पर प्रभारी मंत्री के रुप में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनपद वासियों को बधाई दी एवं कहा कि अगले साल भी भव्य महोत्सव कराया जायेगा तथा यह एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम बहुत ही अच्छा रहा।देवरिया महोत्सव का आगाज 04 फरवरी को को हुआ। महोत्सव में यातायात सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, स्वच्छ भारत मिशन के तहत कार्यशाला, किसान सम्मेलन, उज्ज्वला कार्यक्रम

सहित अन्य आयोजन हुए। सांस्कृतिक संध्या में कैलाश खेर, अक्षरा सिंह, अनामिका अम्बर देश के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अपने गीतों एवं कविताओं से लोगों का मनोरंजन किया। स्थानीय कलाकारों ने भी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में डीएम अखण्ड प्रताप सिंह ने कहा कि सबके सहयोग से इस भव्य आयोजन को सफल रुप दिया गया है। जिले की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों से आगे भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे। पूजन कार्य आचार्य घनश्यामानंद ओझा के नेतृत्व में नर्वदेश्वर पाण्डेय, ज्योतिषाचार्य शंख बाबा, विकास कुमार पाण्डेय सहित विद्वान ब्राह्मणों ने संपन्न किया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, किच्छा (उत्तराखंड) के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, भाजपा नेता जितेंद्र राव, एआरटीओ आशुतोष शुक्ला, बीएसए शालिनी श्रीवास्तव सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

गोल्ड जीत कर लौटी की हिना खघतून को किया गया सम्मानित

बांग्लादेश से भारत के लिए गोल्ड जीत कर लौटी की हिना खघतून का मुख्य विकास अधिकारी ने किया सम्मान

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन द्वारा बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आयोजित सैफ फुटबॉल (अंडर 19) वीमेन चौंपियनशिप के फाइनल में भारतीय टीम विजेता रही। भारतीय टीम से डिफेंडर के रूप में खेल रही देवरिया के पथरदेवा विकासखंड की मझौवा गाँव की बेटी हिना ने भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय ने हिना और उनके कोच जय प्रकाश राव से विकास भवन में मुलाकात कर सम्मानित किया। हिना खघतून इससे पहले भी अंडर 14 और अंडर 17 भारतीय वुमेन फु टबॉल टीम की कप्तान रह चुकी है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा हिना से उनकी ट्रेनिंग में आ रही समस्याओं (डाइट , इक्वीपमेंट्स आदि) के बारे में जानकारी ली और अवश्य मदद हेतु आश्वासन दिया।मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय द्वारा डीसी मनरेगा आलोक पांडेय, जिला पंचायत राज अधिकारी सर्वेश पांडेय तथा जिला युवा कल्याण अधिकारी नीतीश राय को ग्राम पंचायत में

स्थलीय निरीक्षण कर खेल सुविधाओं के विकास हेतु निर्देशित किया । अंत में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा हिना खघतून को फुटबॉल देकर प्रोत्साहित किया गया तथा भविष्य में सीनियर भारतीय टीम में खेलने हेतु शुभकामनाएँ दी।

ग्राम परिक्रमा यात्रा से जुड़कर किसान होंगे लाभान्वित

ब्यूरो

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे भाजपा किसान मोर्चा देवरिया द्वारा 12 फरवरी से 05 मार्च तक चलने वाले ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारम्भ बरहज विधानसभा के बरौली गांव से हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने ग्रामवासियो के साथ कृषि यंत्र ट्रैक्टर के पूजन के साथ ही गांव में स्थापित हनुमान मंदिर में पूजन–अर्चन किया।

इस अवसर पर उपस्थित किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बन्धु उपेंद्र नाथ सिंह ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है, भारतीय अर्थव्यवस्था में किसानों का अहम योगदान है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मानना है की भारत को विकसित देश बनाने में किसानों का अहम योगदान होगा। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष किसान मोर्चा राधेश्याम पांडेय ने कहा कि मोदी सरकार ने किसान परिवार की महिलाओं और बच्चो के बेहतर स्वास्थ्य के लिये उज्ज्वला योजना के माध्यम से निःशुल्क रसोई गैस उपलब्ध कराकर देश के 10 करोड़ से अधिक घरो को धुंआ–मुक्त बनाया है। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि किसान मोर्चा द्वारा आयोजित ग्राम परिक्रमा यात्रा 12 जनवरी से प्रारम्भ होकर 5 मार्च तक चलेगी, जिसमे किसान मोर्चा कार्यकर्ता किसानों से संवाद करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसान कल्याणकारी योजनाओँ को किसान भाइयो को बताएंगे और हर किसान को केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा दिया जाने वाला लाभ मिले इसको सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम को मुख्य रूप से भाजपा नेता अंगद तिवारी, मंडल अध्यक्ष रामजोखन निषाद, प्रणव दुबे, रामानंद सिंह ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में लोकगायक मनोज यादव लोकगीतों की प्रस्तुति से मोदी सरकार की योजनाओं को बताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से काशीपति शुक्ल, ग्राम प्रधान विनय पांडेय, किसान मोर्चा के सुनील चतुर्वेदी, राकेश सिंह, अरुण मिश्र, प्रमोद सिंह, राजेश प्रसाद, जितेंद्र सागर, रामनिवास उपाध्याय, गिरिजेश सिंह, विनीत सिंह, विपिन मद्धेशिया, इंदु देवी, सरिता देवी, प्रिन्स शर्मा, चन्दा देवी, शिला उपस्थित रहे।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद् के नेतृत्व में बैठक का हुआ आयोजन

सद्दाम हुसैन देवरिया

देवरियारू (उ0प्र0) देवरिया जिले मे राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद् उ०प्र० के मण्डल अध्यक्ष श्री ऋषिकेश पाण्डेय जी के प्रथम आगमन पर जनपद देवरिया में यातायात कार्यालय कैम्पस में एक बैठक आयोजित की गयी। जिसमें जनपद–देवरिया की तरफ से अध्यक्ष सहित पूरे प्रतिनिधि मण्डल का उपस्थित कर्मचारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मण्डल अध्यक्ष ऋषिकेश पाण्डेय ने सभी उपस्थित कर्मचारियों

को संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिये आग्रह किया व सभी विभागों के सम्बन्धित प्रतिनिधि व सदस्यों से सम्पर्क स्थापित करते हुए समस्याओं की जानकारी कर अवगत कराने हेतु उपस्थित कर्मचारी श्री रितेश सिंह फार्मासिस्ट व श्री काली प्रसाद राय, चकबन्दी लेखपाल को जिम्मेदारी दी ताकि सम्बन्धित विभाग के उच्चाधिकारियों से वार्ता कर समस्याओं का निस्तारण अविलम्ब कराया जा सके।उपस्थित प्रतिनिधि मण्डल व कर्मचारी निम्न प्रकार हैं

दुर्गविजय, जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, गोरखपुरकृष्णमोहन पण्डेय, सम्प्रेक्षक, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, गोरखपुर अजमल, उपाध्यक्ष, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, गोरखपुर राहुल यादव, सुधांशु राय, राहुल सिंह, धीरज दूबे, दिनेश गिरी, जिलाध्यक्ष चकबन्दी लेखपाल संघ, देवरिया व ज्ञानदेव जायसवाल, कोषाध्यक्ष, चकबन्दी लेखपाल संघ, देवरिया आदि उपस्थित रहे।

जाम के आठ स्थान चिन्हित, कार्यवाही षीघ्र नगर मजिस्ट्रेट

जौनपुर(आरएनएस)। नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह ने कहा है कि षहर में जाम और अतिक्रमण की समस्या के निराकरण के लिए प्रषासन कठिबद्ध है। इसके लिए तैयारी कर ली गयी है जल्दी ही इसके परिणाम सामने आ जायेगे। उन्होने बताया कि ट्रेफिक व्यवस्था को लेकर एक बैठक की गयी है। जिसमें जाम के प्रमुख आठ स्थलों को चिन्हित किया गया है। इस पर काम किया जायेगा। चिहिन्त स्थानों की चर्चा करते हुए नगर मजिस्ट्रेट ने कहा कि सदभावना पुल के पास, ओलन्दगंज फल वाली गली, कोतवाली चौराहा, भण्डारी स्टेषन के पास, सब्जी मण्डी, सिपाह तिराहा, पालिटेकनिक चौराहा आदि स्थानों पर ई रिक्षा और ठेले वालों की वजह से जाम लगाता है। अन्य दुकानदरा भी अपने सामान बाहर सड़क तक फैलाये रहते है इससे भी स्थिति आवागमन को बाधित करती है। जन्द ही अधिषासी अधिकारी नगर पालिका याता निरीक्षण पुलिस की टीम बनाकर जाम के कारणों को हटाया जायेगा और यातायात व्यवस्थ सुगम बनाया जायेगा। उन्होने कहा कि जिलाधिकारी के निर्देष पर जाम की समस्या का खात्मा कराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। इसमें दुकानदारों और नागरिकों के सहयोग की अपेक्षा की अपील भी किया। उन्होने बताया कि षहर में चायनीज मांझे पर प्रषासन का रवैया सख्त है। दुकानदारों की कोतवाली में बैठक बुलाकर उन्हे चेतावनी दी गयी और दुकानदारों ने वादा भी किया है नुकसान पहुचाने वाले मांझे को नहीं बेचेगे जो ऐसा करता पायेगा उसके खिलाफ सख्त कदम उठाया जायेगा। ज्ञात हो कि कई जिलों में महत्वपर्ण पदों पर रहते हूए अपनी सेवा दे चुके और मथुरा से स्थानांतरित होकर आये सिटी मजिस्ट्रेट ने गत दिनों यहां का कार्यभार संभाला और तत्काल षहर की समस्याओं के निराकरण के लिए रणनीति बनाकर काम षुरू कर दिया है। बिहार के खगरिया जिले के निवासी है।

सोशल मीडिया कान्क्लेव से होगी महाकुंभ की ब्रांडिग

प्रयागराज(आरएनएस)। योगी सरकार प्रयागराज में अगले साल होने वाले महाकुंभ की ग्लोबल ब्रांडिंग करने और उसे समावेशी रूप देने के लिए बड़े फैसले ले रही है। सरकार महाकुंभ से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ गैर–सरकारी एजेंसियों का भी सहयोगी लेगी। इसके लिए सोशल मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। महाकुम्भ के आयोजन में अभी तक सरकारी एजेंसियों के विचार ही समाहित होते थे लेकिन अब योगी सरकार इससे एक कदम आगे जाकर गैर सरकारी एजेंसियों को भी इसमें शामिल करना चाहती है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि पर्यटन विभाग अधिक से अधिक लोगों को महाकुम्भ से जोड़ना चाहता है। उनका यह भी कहना है कि हर किसी के पास एक बहुत बेहतर आइडिया होता है और हो सकता है कि वह अब तक सरकार तक न पहुंच पाया हो। ऐसे लोगों के महाकुम्भ से जुड़े आइडिया को सरकार के साथ साझा करने के लिए पर्यटन विभाग एक प्रतियोगिता का आयोजन करेगा जिसमें लोगों के कुम्भ के आयोजन से जुड़े आईडिया मांगे जायेंगे। इस प्रतियोगिता में सबसे अलग आइडिया देने वाले लोगों को पर्यटन विभाग प्रोत्साहित करेगा। उनका यह आइडिया महाकुम्भ के आयोजन का अंग भी बनेगा। महाकुम्भ के आयोजन से पूर्व प्रयागराज में पर्यटन स्थलों की ब्रांडिंग और पब्लिसिटी के लिए पर्यटन विभाग कई तरह की तैयारियां कर रहा है। इसके लिए ष्सोशल मीडिया कॉन्क्लेवष का आयोजन किया जा रहा है । मार्च में दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें सबसे पहले स्थानीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के साथ कॉन्क्लेव किया जाएगा, जिसके बाद ग्लोबल रीच वाले इन्फ्लुएंसर के साथ कॉन्क्लेव होगा। साथ ही देश भर के पर्यटन केन्द्रों से टूर ऑपरेटरों को भी इसमें आमंत्रित किया जा रहा है। उनसे महाकुम्भ में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए उनके विचार मांगे जायेंगे। होटल उद्यमियों को भी इसमें आमंत्रित किया गया है। इन सभी आगंतुकों से एक तरफ जहां पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं के प्रस्ताव मांगे जायेंगे, वहीं इसकी आपूर्ति में अभी तक की कमियों की समीक्षा भी की जायगी।

रवीन्द्र कुशवाहा बने नेशनल आर्टिस्ट एसोसिएशन इंडिया के राष्ट्रीय संरक्षक

प्रयागराज(आरएनएस)। चित्रकला के क्षेत्र में प्रयागराज ही नहीं वरन् पूरे देश में भारतीय कला संस्कृति के विकास और कलाकारों के उत्थान में पूरा जीवन अर्पण करने वाले प्रयागराज के प्रसिद्ध वरिष्ठ चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा को अब नेशनल आर्टिस्ट एसोसिएशन द्वारा अपना राष्ट्रीय संरक्षक बनाया गया है।

विदित हो कि राज्य ललित कला अकादमी उ. प्र. संस्कृति विभाग के कार्यकारिणी सदस्य रहे रवीन्द्र कुशवाहा वर्तमान समय में संस्कार भारती प्रयागराज के चित्रकला संयोजक पद पर कार्यरत हैं तथा नारायण आर्ट अकादमी के निदेशक भी हैं जो पिछले वर्ष विश्वकला प्रदर्शनी का भव्य व बृहद सफल आयोजनकर्ता रहें हैं।

152 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन वितरित

जौनपुर(आरएनएस)। मानवेंद्र सिंह सुमन पीजी कॉलेज पेसारा केराकत में 152 छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया और उन्हें तकनीकी शिक्षा में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष रामजी सिंह एवं कर्मचारी संघ के महामंत्री रमेश यादव ने दीप प्रजवलन कर स्मार्टफोन वितरण का शुभारंभ किया। 152 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन वितरित किया। इस अवसर पर कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष रामजी सिंह ने कहा कि स्मार्टफोन का जीवन में सकारात्मक प्रयोग करें और निश्चित ही आप आगे जाएंगे । महामंत्री रमेश यादव ने कहा कि आज तकनीकी दुनिया में अपने को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार करें और स्मार्टफोन आपकी संपूर्ण पठन–पाठन की सामग्री उपलब्ध कराती है, सरकार की मंशा है उसे सफल करें। प्रबंध निदेशक डॉक्टर सुमन यादव ने अध्यक्षता किया और छात्रों को पठान–पाटन के सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। कार्यक्रम का संचालन संरक्षक महेंद्र प्रताप यादव ने किया । इस अवसर पर आशीष यादव,डा गंगा प्रसाद तिवारी, डॉ अनिल दवे, डा गुलाब, डॉ रवि यादव, कांता यादव, नरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

जुबाँ नर्म कर ली तो क्या जा रहा है

जौनपुर(आरएनएस)। कोशिश संस्था की बैठक रामेश्वर विहार रासमंडल में डॉ0 विमला सिंह के संयोजन तथा गिरीश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई। मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप वशिष्ठ तथा अन्य साहित्यकारों ने वार्षिक कार्यक्रम के आयोजन के बारे में अपनी राय व्यक्त किया। सर्वसम्मति से वार्षिक समारोह के लिए दि ३ मार्च की तिथि तय की गई। यह समरोह पूर्वक की भाँति टी. डी. कॉलेज के बलराम पुर हाल में आयोजित किया जायेगा। बैठक के उपरांत उपस्थित शायरों और कवियों ने संक्षिप्त काव्य पाठ भी किया।अंसार जौनपुरी ने कहा " मोहब्बत से मुझको सुना जा रहा है, जुबाँ नर्म कर ली तो क्या जा रहा है। "प्रखर ने कहा, बुद्धि जिनकी है एक कौड़ी की, उनके उपदेश पी रहा हूँ मै। " गिरीश श्रीवास्तव ने कहा " आज की रात सफर करने दे मुसाफिर हूँ, रुका है कौन यहाँ मै भी चला जाऊंगा।" वरिष्ठ शायर अहमद निसार ने अपनी नज्म " आम आदमी "" से कुछ अंश सुनाया। प्रो. वशिष्ठ अनूप, प्रो. आर. एन. सिंह, डॉ. पी. सी.विश्वकर्मा एवं अन्य लोगों ने भी काव्य पाठ किया। संचालन जनार्दन प्रसाद अस्थाना और आभार डॉ. विमला सिंह ने व्यक्त किया। गोष्ठी में अश्वनी तिवारी और डॉ धीरेंद्र पटेल आदि उपस्थित रहे।

खेतों की हरियाली , सरसों के फूल लहलहाये

जौनपुर।(आरएनएस) इस समय मौसम खुशगवार हो गया है। गेहूं के खेतों की हरियाली और सरसों के खेतों में या तो पीले फूल हैं या सरसों की फलियां खेत में इस कदर दमदार लगी हैं कि खेतों में उनके पेड़ वजन से लटक रहे हैं। अगेती सरसों की फसल अब पकने की ओर है और पीछे बोई गई सरसों में शानदार फूल लगे हुए हैं।इसी तरह समय से बोये गये गेहूं की फसल में बालियां निकल रही हैं वहीं बीच–बीच में बारिश के चलते जिन किसानों के खेतों में गेहूं देर से बोया गया है उनके भी खेतों में हरियाली अपने चरम पर है। ग्रामीण इलाकों की सड़कों पर गुजरते समय हरे–पीले रंग का नजारा जिधर भी नजर जाती है हर तरफ देखने को मिल रहा है। चहुंओर जीवंत माहौल है। सुबह शाम छोड़कर दिन में तापमान अधिक रहने से जन जीवन सामान्य हो चला है। सोमवार से जनपद के स्कूलों का समय भी मौसम अच्छा होने से बदल गया है।स्कूल खुलने का समय दस बजे के बजाय नौ बजे कर दिया गया है। हालांकि सोमवार को आसमान में बादल भी दिखे।सुबह–शाम मनोरम दृश्य देखने को मिल रहा है।

भाषा का महत्व होता है रिसर्च मेंरू विशाल सूद

जौनपुर(आरएनएस)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में चल रहे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के सातवें दिन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो साप्ताहिक कार्यशाला को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हिमाचल प्रदेश से आए प्रोफेसर विशाल सूद ने प्रतिभागियों को क्वालिटेटिव रिसर्च के गुर साझा किए उन्होंने कहा कि रिसर्च में भाषा का बहुत बड़ा महत्व होता है उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न मूल समस्याओं का समाधान उनकी दिशा–दशा क्वालिटी रिसर्च के माध्यम से सहज और समग्र रूप से समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि क्वालिटेटिव रिसर्च कई अलग शैक्षणिक विषयों में विनियोजित, पारंपरिक रूप से सामाजिक विज्ञान, साथ ही बाजार अनुसंधान और अन्य संदर्भों मे जांच की एक विधि है। क्वालिटेटिव रिसर्च में शोधकर्ताओं का उद्देश्य मानवीय व्यवहार और ऐसे व्यवहार को शासित करने वाले कारणों को गहराई से समझना है और इसके लिए बड़े नमूनों की बजाय छोटे नमूनों पर संकेंद्रित नमूनों की आधार पर ही सम्यक दृटिकोण प्रदान करता है। उन्होंने क्लालिटेटिव डाटा एनलिसिस विधि की टेक्निक को विस्तार से समझाया। इस अवसर पर प्रो अजय प्रताप सिंह ने विषय विशेषज्ञ का परिचय कराया, डॉ. मनोज पांडेय ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. अनु त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रतिभागियों में दीपक कुमार दास, अयाज अहमद, कपिलदेव वीरेंद्र कुमार साहू, सेनेट थामस, दया सिंधु, प्रतिमा मौर्य, विवेक मिश्रा ने सवाल पूछ अपनी जिज्ञासा शांत की

लावारिश शव का कराया अंतिम संस्कार

जौनपुर(आरएनएस)। शहर स्थित हजरत भुंदरा शाह कब्रिस्तान पर लावारिस लाश इंतजामिया कमेटी के द्वारा एक शव जो शहर कोतवाली सदर थाना द्वारा पोस्ट मार्टम के बाद प्राप्त हुआ था को सुपुर्दे खाक किया गया। सदर रियाजुल हक ने बताया की अगर प्रशासन को कोई भी लावारिस लाश मुस्लिम समुदाय की मिलती है तो उस शव को उक्त टीम पूरे मुस्लिम रीति रिवाज से दफनाने का कार्य करती है। पुलिस प्रशासन ने बताया की किसी भी लावारिश लाश को 72 घंटे पहचान के लिए रखने के बाद उसको अंतिम संस्कार के लिए कमेटी को सौंप दिया जाता है,उक्त मिट्टी की जनाजे की नमाज हाफिज माज हलीमी ने अदा कराई। मिट्टी में बख्तियार आलम, रिजवान चचा,मास्टर मेराज,ताज मोहम्मद,आरिफ, वसीउल्लाह,सद्दाम हुसैन, सलीमुल्ला चुन्ना ,डॉक्टर मोइनुद्दीन,मास्टर खालिद का योगदान रहा वही कांस्टेबल अवनीश यादव,हेड कांस्टेबल इस्तेखार अहमद आदि मौजूद रहे।

स्टेशन अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर(आरएनएस)। मुंगरा बादशाहपुर रेल फाटक पर जाम की समस्या को लेकर जज सिंह अन्ना के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने मुंगरा बादशाहपुर स्टेशन अधीक्षक आर. बी.राम. को ज्ञापन सौंपा । मांग किया कि बादशाहपुर का बहुचर्चित 5 घंटे रेल फाटक जाम समस्या हल करने के लिए इटहरा– कोदहू बाईपास का निर्माण एन.एच.ए.द्वारा उचित मुआवजा देकर किसानों की जमीन तत्काल शुरू किया जाए ।

विपक्षी दलों के पास नीति नहींरू नंद गोपाल

जौनपुर (आरएनएस)। प्रदेष के औद्योगिक विकास निर्यात प्रोत्साहन एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने जगदीशपुर में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय का उद्घाटन सोमवार को किया । इस दौरान मंत्री नंद गोपाल ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा करता है और उनके नेतृत्व को आज स्वीकार कर रहे है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।